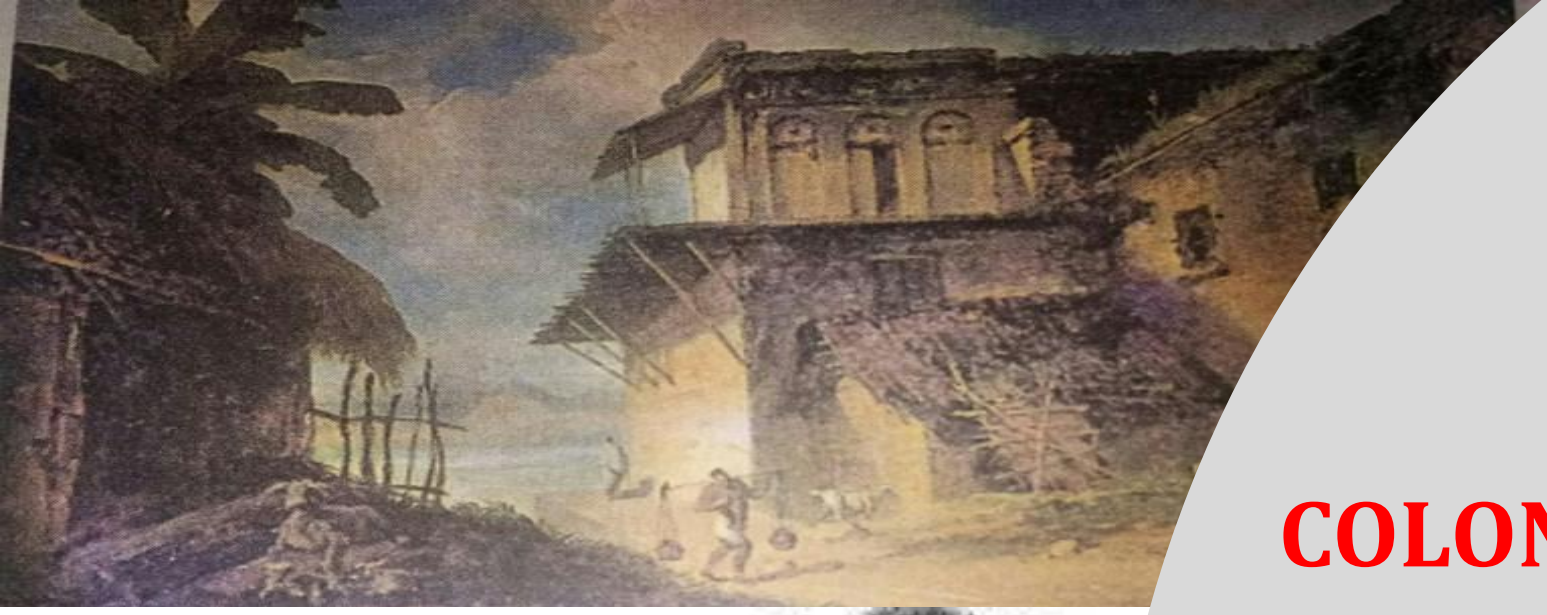

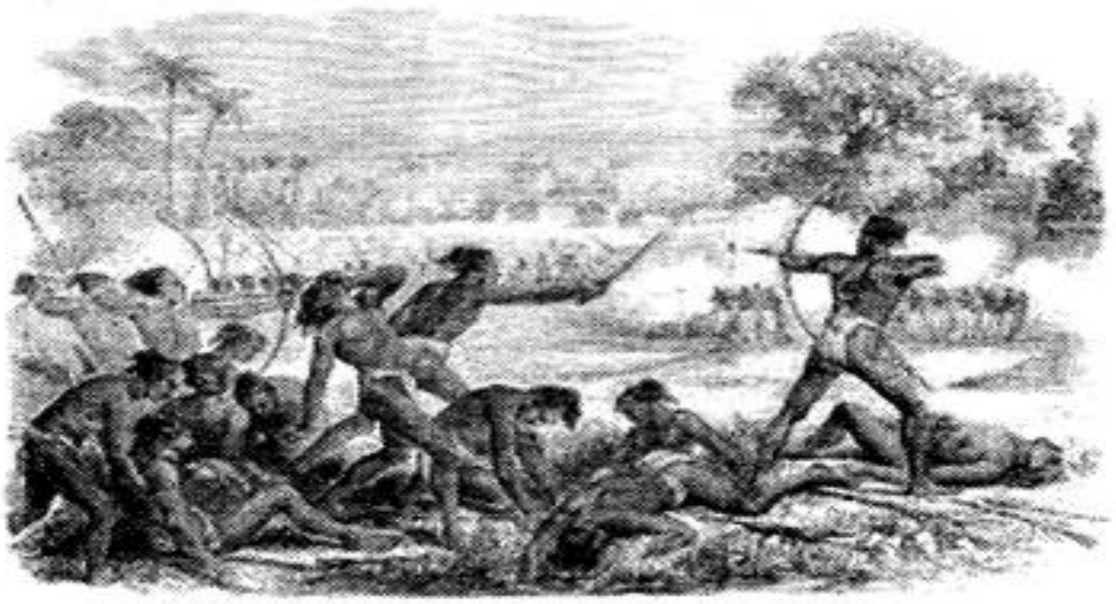

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

CLASS – 12

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ Bengal and the Zamindars

❖ बंगाल और वहां के ज़मींदार

कपास गाँव से मंडी ले जाई जा रही है। यह चित्र 20 अप्रैल 1861 के 'लंदन न्यूज' में प्रकाशित हुआ था।

Colonial rule was first established in Bengal. It is here that the earliest attempts were made to reorder rural society and establish a new regime of land rights and a new revenue system.

औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम बंगाल में स्थापित किया गया था। यही वह प्रांत था जहां पर सबसे पहले ग्रामीण समाज को पुनर्व्यवस्थित करने और भूमि संबंधी अधिकारों की नयो व्यवस्था तथा एक नयो राजस्व प्रणाली स्थापित करने के प्रयत्न किए गए थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ An auction in Burdwan (बर्दवान में की गई नीलामी की एक घटना)

In 1797 there was an auction in Burdwan (presentday Bardhaman). It was a big public event.

सन् **1797** में बर्दवान (आज के बर्द्धमान) में एक नीलामी की गई। यह एक बड़ी सार्वजनिक घटना थी।

A number of mahals (estates) held by the Raja of Burdwan were being sold. The Permanent Settlement had come into operation in 1793.

बर्दवान के राजा द्वारा धारित अनेक महाल (भूसंपदाएँ) बेचे जा रहे थे। सन् **1793** में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू हो गया था।

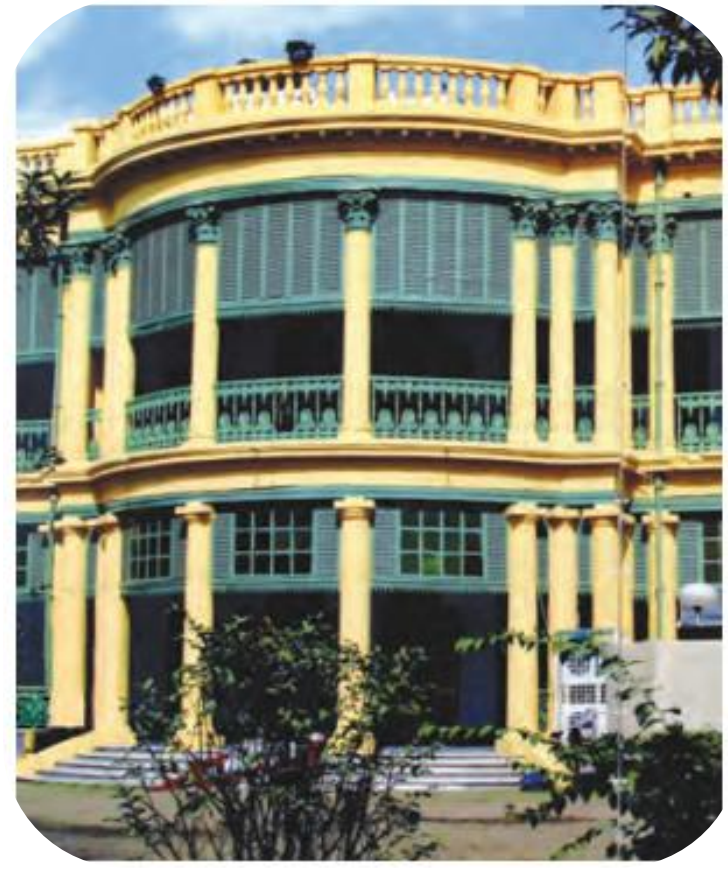

बर्दवान के राजा का डायमंड हार्बर रोड, कलकत्ता स्थित राजमहल
19वीं शताब्दी के अंतिम दशकों तक बंगाल के बहुत से धनी ज़मींदारों ने अपने लिए सुंदर विशाल स्तंभों वाले राजमहल बनवा लिए थे जिनमें नृत्यकक्ष, बड़े-बड़े मैदान, शानदार प्रवेश द्वार थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The East India Company had fixed the revenue that each zamindar had to pay. The estates of those who failed to pay were to be auctioned to recover the revenue. Since the raja had accumulated huge arrears, his estates had been put up for auction.

ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजस्व की राशि निश्चित कर दी थी जो प्रत्यक ज़मींदार को अदा करनी होती थी। जो ज़मींदार अपनी निश्चित राशि नहीं चुका पाते थे उनसे राजस्व वसूल करने के लिए उनकी संपदाएँ नीलाम कर दी जाती थीं। चूँकि बर्दवान के राजा पर राजस्व की बड़ी भारी रकम बकाया थी, इसलिए उसकी संपदाएँ नीलाम की जाने वाली थीं।

Numerous purchasers came to the auction and the estates were sold to the highest bidder

नीलामी में बोली लगाने के लिए अनेक ख़रीददार आए थे और संपदाएँ (महाल) सबसे ऊँची बोली लगाने वाले को बेच दी गइं।

Over 95 per cent of the sale at the auction was fictitious. The raja's estates had been publicly sold, but he remained in control of his zamindari.

नीलामी में **95** प्रतिशत से अधिक बिक्री फ़र्जी थी। वैसे तो राजा की ज़मीनें खुलेतौर पर बेच दी गई थीं पर उनकी ज़मींदारी का नियंत्रण उसी के हाथों में रहा था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Raja (literally king) was a term that was often used to designate powerful zamindars.

'राजा' शब्द का प्रयोग अकसर शक्तिशाली ज़मींदारों के लिए किया जाता था।

❖ The problem of unpaid revenue

❖ अदा न किए गए राजस्व की समस्या

चार्ल्स कार्नवालिस (1738-1805) का 1785 में थॉमस गेन्सबोरो द्वारा चित्रित चित्र। अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कार्नवालिस ब्रिटिश सेना का कमांडर था। जब 1793 में बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया, उस समय कार्नवालिस बंगाल का गवर्नर जनरल था।

The estates of the Burdwan raj were not the only ones sold during the closing years of the eighteenth century. Over 75 per cent of the zamindaris changed hands after the Permanent Settlement.

अकेले बर्दवान राज की ज़मीनें ही एसी संपदाएँ नहीं थीं जो अठारहवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में बेची गई थीं। इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किए जाने के बाद **75** प्रतिशत से अधिक ज़मींदारियां हस्तांतरित कर दी गई थीं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

By the 1770s, the rural economy in Bengal was in crisis, with recurrent famines and declining agricultural output.

1770 के दशक तक आते-आते, बंगाल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजरने लगी थी क्योंकि बार-बार अकाल पड रहे थे और खेती की पैदावार घटती जा रही थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Officials felt that agriculture, trade and the revenue resources of the state could all be developed by encouraging investment in agriculture.

अधिकारी लोग एसा सोचते थे कि खेती, व्यापार और राज्य के राजस्व संसाधन सब तभी विकसित किए जा सकेंगे जब कृषि में निवेश को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

This could be done by securing rights of property and permanently fixing the rates of revenue demand.

एसा तभी किया जा सकेगा जब संपत्ति के अधिकार प्राप्त कर लिए जाएँगे और राजस्व माँग की दरों को स्थायो रूप से तय कर दिया जाएगा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

If the revenue demand of the state was permanently fixed, then the Company could look forward to a regular flow of revenue, while entrepreneurs could feel sure of earning a profit from their investment, since the state would not siphon it off by increasing its claim.

यदि राज्य (सरकार) की राजस्व माँग स्थायो रूप से निर्धारित कर दी गई तो कंपनी राजस्व की नियमित प्राप्ति की आशा कर सकेगी और उद्यमकर्ता भी अपने पूँजी-निवेश से एक निश्चित लाभ कमाने की उम्मीद रख सकेंगे, क्योंकि राज्य अपने दावे में वृद्धि करके लाभ की राशि नहीं छीन सकेगा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The process, officials hoped, would lead to the emergence of a class of yeomen farmers and rich landowners who would have the capital and enterprise to improve agriculture. Nurtured by the British, this class would also be loyal to the Company.

अधिकारियों को यह आशा थी कि इस प्रक्रिया से छोटे किसानों (योमॅन) और धनी भूस्वामियों का एक एसा वर्ग उत्पन्न हो जाएगा जिसके पास कृषि में सुधार करने के लिए पूँजी और उद्यम दोनों होंगे। उन्हें यह भी उम्मीद थी कि ब्रिटिश शासन से पालन-पोषण और प्रोत्साहन पाकर, यह वर्ग कंपनी के प्रति वफ़ादार बना रहेगा।

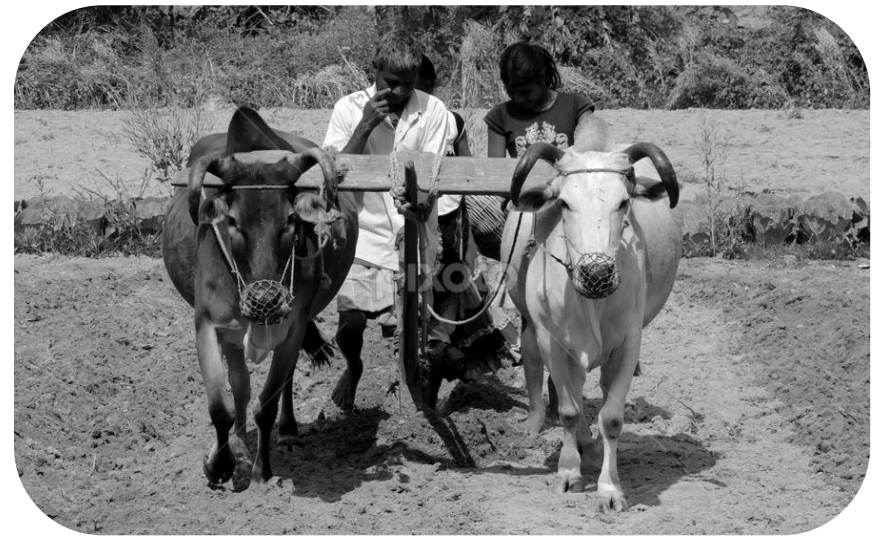

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

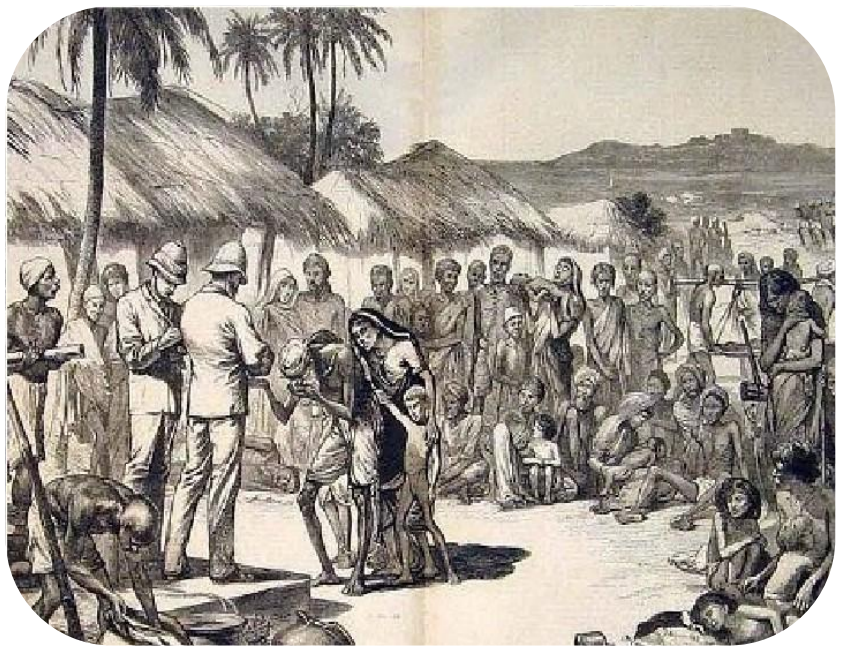

The Permanent Settlement was made with the rajas and taluqdars of Bengal. They were now classified as zamindars, and they had to pay the revenue demand that was fixed in perpetuity.

बंगाल के राजाओं और ताल्लुकदारों के साथ इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया। अब उन्हें ज़मींदारों के रूप में वर्गीकृत किया गया और उन्हें सदा के लिए एक निर्धारित राजस्व माँग को अदा करना था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

बंगाल के गाँव का दृश्य; जॉर्ज चिनरी द्वारा 1820 में चित्रित।

चिनरी भारत में 23 वर्ष (1802–25) तक रहा था। उस दौरान उसने अनेक चित्र बनाए थे जिनमें आम लोगों के जनजीवन से संबंधित चित्र, भूदृश्यों के चित्र, विशिष्ट व्यक्तियों तथा विशाल भवनों के चित्र शामिल थे। नीचे दी गई आकृति में ग्रामीण बंगाल के एक घर का चित्र दिया गया है; उन दिनों जोतदार और साहूकार लोग ऐसे ही घरों में रहा करते थे।

In terms of this definition, the zamindar was not a landowner in the village, but a revenue Collector of the state.

इस परिभाषा के अनुसार, ज़मींदार गाँव में भू-स्वामी नहीं था, बल्कि वह राज्य का राजस्व समाहर्ता (यानी संग्राहक) मात्र था।

In Company calculations the villages within one zamindari formed one revenue estate.

कंपनी के हिसाब से, एक ज़मींदारी के भीतर आने वाले गाँव मिलाकर एक राजस्व संपदा का रूप ले लेते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The zamindar collected rent from the different villages, paid the revenue to the Company, and retained the difference as his income. He was expected to pay the Company regularly, failing which his estate could be auctioned.

ज़मींदार उन गाँवों से निर्धारित राजस्व राशि इकट्ठी करता था। ज़मींदार से यह अपेक्षा की जाती थी कि वह कंपनी को नियमित रूप से राजस्व राशि अदा करेगा और यदि वह एसा नहीं करेगा तो उसकी संपदा नीलाम की जा सकेगी।

बंगाल के गाँव का दृश्य; जॉर्ज चिनरी द्वारा 1820 में चित्रित।

चिनरी भारत में 23 वर्ष (1802–25) तक रहा था। उस दौरान उसने अनेक चित्र बनाए थे जिनमें आम लोगों के जनजीवन से संबंधित चित्र, भूदृश्यों के चित्र, विशिष्ट व्यक्तियों तथा विशाल भवनों के चित्र शामिल थे। नीचे दी गई आकृति में ग्रामीण बंगाल के एक घर का चित्र दिया गया है; उन दिनों जोतदार और साहूकार लोग ऐसे ही घरों में रहा करते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Taluqdar literally means "one who holds a taluq" or a connection. Taluq came to refer to a territorial unit.

'ताल्लुक़दार' का शाब्दिक अर्थ है वह व्यक्ति जिसके साथ ताल्लुक़ यानी संबंध हो। आगे चलकर ताल्लुक़ का अर्थ क्षेत्रीय इकाई हो गया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ **Why zamindars defaulted on payments**

❖ राजस्व राशि के भुगतान में ज़मींदार क्यों चूक करते थे?

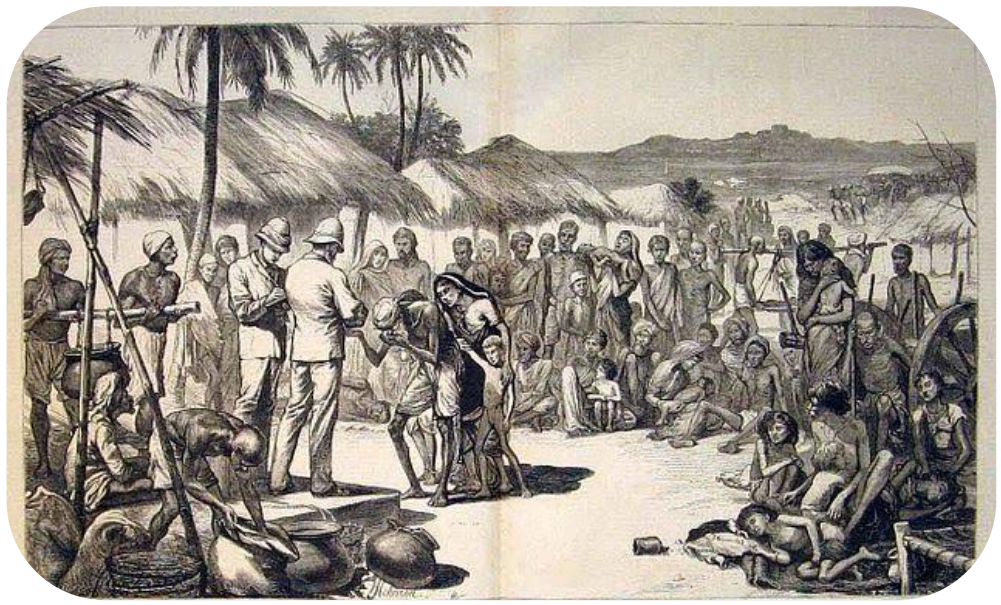

In the early decades after the Permanent Settlement, however, zamindars regularly failed to pay the revenue demand and unpaid balances accumulated.

कुछ प्रारंभिक दशकों में ज़मींदार अपनी राजस्व माँग को अदा करने में बराबर कोताही करते रहे, जिसके परिणामस्वरूप राजस्व की बकाया रकमें बढ़ती गई।

The reasons for this failure were various. First: the initial demands were very high. This was because it was felt that if the demand was fixed for all time to come, the Company would never be able to claim a share of increased income from land when prices rose and cultivation expanded.

ज़मींदारों की इस असफलता के कई कारण थे। पहला : प्रारंभिक माँगें बहुत ऊँची थीं, क्योंकि एसा महसूस किया गया था कि यदि माँग को आने वाले संपूर्ण समय के लिए निर्धारित किया जा रहा है तो आगे चलकर कीमतों में बढ़ोतरी होने और खेती का विस्तार होने से आय में वृद्धि हो जाने पर भी कंपनी उस वृद्धि में अपने हिस्से का दावा कभी नहीं कर सकेगी।

To minimise this anticipated loss, the Company pegged the revenue demand high, arguing that the burden on zamindars would gradually decline as agricultural production expanded and prices rose.

इस प्रत्याशित हानि को कम-से-कम स्तर पर रखने के लिए, कंपनी ने राजस्व माँग को ऊँचे स्तर पर रखा, और इसके लिए दलील दी कि ज्यों-ज्यों कृषि के उत्पादन में वृद्धि होती जाएगी और कीमतें ब शनैः शनैः कम होता जाएगा।

Second: this high demand was imposed in the 1790s, a time when the prices of agricultural produce were depressed, making it difficult for the ryots to pay their dues to the zamindar. If the zamindar could not collect the rent, how could he pay the Company?

दूसरा : यह ऊँची माँग 1790 के दशक में लागू की गई थी जब कृषि की उपज की कीमतें नीची थीं, जिससे रैयत (किसानों) के लिए, ज़मींदार को उनकी देय राशियां चुकाना मुश्किल था। जब ज़मींदार स्वयं किसानों से राजस्व इकट्ठा नहीं कर सकता था तो वह आगे कंपनी को अपनी निर्धारित राजस्व राशि कैसे अदा कर सकता था?

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

बंगाल के गाँव का दृश्य; जॉर्ज चिनरी द्वारा 1820 में चित्रित।

चिनरी भारत में 23 वर्ष (1802–25) तक रहा था। उस दौरान उसने अनेक चित्र बनाए थे जिनमें आम लोगों के जनजीवन से संबंधित चित्र, भूदृश्यों के चित्र, विशिष्ट व्यक्तियों तथा विशाल भवनों के चित्र शामिल थे। नीचे दी गई आकृति में ग्रामीण बंगाल के एक घर का चित्र दिया गया है; उन दिनों जोतदार और साहूकार लोग ऐसे ही घरों में रहा करते थे।

Third: the revenue was invariable, regardless of the harvest, and had to be paid punctually. In fact, according to the Sunset Law, if payment did not come in by sunset of the specified date, the zamindari was liable to be auctioned.

तीसरा : राजस्व असमान था, फ़सल अच्छी हो या ख़राब राजस्व का ठीक समय पर भुगतान ज़रूरी था। वस्तुतः सूर्यास्त विधि (कानून) के अनुसार, यदि निश्चित तारीख़ को सूयं अस्त होने तक भुगतान नहीं आता था तो ज़मींदारी को नीलाम किया जा सकता था।

Fourth: the Permanent Settlement initially limited the power of the zamindar to collect rent from the ryot and manage his zamindari

चौथा : इस्तमरारी बंदोबस्त ने प्रारंभ में ज़मींदार की शक्ति को रैयत से राजस्व इकट्ठा करने और अपनी ज़मींदारी का प्रबंध करने तक ही सीमित कर दिया था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The zamindars' troops were disbanded, customs duties abolished, and their "cutcheries" (courts) brought under the supervision of a Collector appointed by the Company.

ज़मींदारों की सैन्य-टुकडियों को भंग कर दिया गया, सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया और उनकी कचहरियों को कंपनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख में रख दिया गया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

In one case, when a raja failed to pay the revenue, a Company official was speedily dispatched to his zamindari with explicit instructions "to take charge of the District and to use the most effectual means to destroy all the influence and the authority of the raja and his officers"

एक मामले में तो यहां तक हुआ कि जब राजा राजस्व का भुगतान नहीं कर सका तो एक कंपनी अधिकारी को तुरंत इस स्पष्ट अनुदेश के साथ उसकी ज़मींदारी में भेज दिया गया कि "ज़िले का पूरा कायंभार अपने हाथ में ले लो और राजा तथा उसके अधिकारियों के संपूर्ण प्रभाव और प्राधिकार को ख़त्म कर देने के लिए सर्वाधिक प्रभावशाली क़दम उठाओ।"

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

At the time of rent collection, an officer of the zamindar, usually the amlah, came around to the village. But rent collection was a perennial problem. Sometimes bad harvests and low prices made payment of dues difficult for the ryots.

राजस्व इकट्ठा करने के समय, ज़मींदार का एक अधिकारी जिसे आमतौर पर अमला कहते थे, गाँव में आता था। लेकिन राजस्व संग्रहण एक परिवार्षिक समस्या थी। कभी-कभी तो खराब फ़सल और नीची कीमतों के कारण किसानों के लिए अपनी देय राशियों का भुगतान करना बहुत कठिन हो जाता था

Rich ryots and village headmen – jotedars and mandals – were only too happy to see the zamindar in trouble.

धनवान रैयत और गाँव के मुखिया – जोतदार और मंडल – ज़मींदार को परेशानी में देखकर बहुत ख़ुश होते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Ryot is the way the term raiyat, used to designate peasants (Chapter 8), was spelt in British records. Ryots in Bengal did not always cultivate the land directly, but leased it out to under-ryots.

'रैयत' शब्द का प्रयोग अंग्रेज़ों के विवरणों में किसानों के लिए किया जाता था (अध्याय–8)। बंगाल में रैयत ज़मीन को खुद काश्त नहीं करते थे, बल्कि 'शिकमी–रैयत' को आगे पट्टे पर दे दिया करते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖The rise of the jotedars

❖ जोतदारों का उदय

While many zamindars were facing a crisis at the end of the eighteenth century, a group of rich peasants were consolidating their position in the villages.

अठारहवीं शताब्दी के अंत में जहां एक ओर अनेक ज़मींदार संकट की स्थिति से गुजर रहे थे, वहीं दूसरी ओर धनी किसानों के कुछ समूह गाँवों में अपनी स्थिति मज़बूत करते जा रहे थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

By the early nineteenth century, jotedars had acquired vast areas of land – sometimes as much as several thousand acres. They controlled local trade as well as moneylending, exercising immense power over the poorer cultivators of the region.

उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों तक आते-आते, जोतदारों ने ज़मीन के बड़े-बड़े रकबे, जो कभी-कभी तो कई हज़ार एकड में फैले थे, अर्जित कर लिए थे। स्थानीय व्यापार और साहूकार के कारोबार पर भी उनका नियंत्रण था और इस प्रकार वे उस क्षेत्र के ग़रीब काश्तकारों पर व्यापक शक्ति का प्रयोग करते थे।

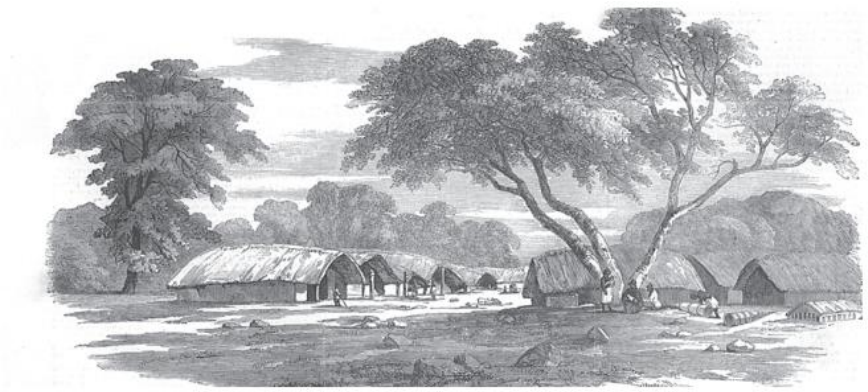

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

A large part of their land was cultivated through sharecroppers (adhiyars or bargadars) who brought their own ploughs, laboured in the field, and handed over half the produce to the jotedars after the harvest.

उनकी ज़मीन का काफ़ी बड़ा भाग बटाईदारों (अधियारों या बरगादारों) के माध्यम से जोता जाता था, जो ख़ुद अपने हल लाते थे, खेत में मेहनत करते थे और फ़सल के बाद उपज का आधा हिस्सा जोतदारों को दे देते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Within the villages, the power of jotedars was more effective than that of zamindars. Unlike zamindars who often lived in urban areas, jotedars were located in the villages and exercised direct control over a considerable section of poor villagers.

गाँवों में, जोतोदारों की शक्ति, ज़मींदारों की ताक़त की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली होती थी। ज़मींदार के विपरीत जो शहरी इलाक़ों में रहते थे, जोतदार गाँवों में ही रहते थे और ग़रीब ग्रामवासियों के काफ़ी बडे वर्ग पर सीधे अपने नियंत्रण का प्रयोग करते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

They fiercely resisted efforts by zamindars to increase the jama of the village, prevented zamindari officials from executing their duties, mobilised ryots who were dependent on them, and deliberately delayed payments of revenue to the zamindar.

ज़मींदारों द्वारा गाँव की जमा (लगान) को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों का वे घोर प्रतिरोध करते थे; ज़मींदारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने से रोकते थे; जो रैयत उन पर निर्भर रहते थे उन्हें वे अपने पक्ष में एकजुट रखते थे और ज़मींदार को राजस्व के भुगतान में जान-बूझकर देरी करा देते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

In fact, when the estates of the zamindars were auctioned for failure to make revenue payment, jotedars were often amongst the purchasers

सच तो यह है कि जब राजस्व का भुगतान न किए जाने पर ज़मींदार की ज़मींदारी को नीलाम किया जाता था तो अकसर जोतदार ही उन ज़मीनों को ख़रीद लेते थे।

बंगाल के गाँव का दृश्य; जॉर्ज चिनरी द्वारा 1820 में चित्रित।

चिनरी भारत में 23 वर्ष (1802–25) तक रहा था। उस दौरान उसने अनेक चित्र बनाए थे जिनमें आम लोगों के जनजीवन से संबंधित चित्र, भूदृश्यों के चित्र, विशिष्ट व्यक्तियों तथा विशाल भवनों के चित्र शामिल थे। नीचे दी गई आकृति में ग्रामीण बंगाल के एक घर का चित्र दिया गया है; उन दिनों जोतदार और साहूकार लोग ऐसे ही घरों में रहा करते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The jotedars were most powerful in North Bengal, although rich peasants and village headmen were emerging as commanding figures in the countryside in other parts of Bengal as well.

उत्तरी बंगाल में जोतदार सबसे अधिक शक्तिशाली थे, हालांकि धनी किसान और गाँव के मुखिया लोग भी बंगाल के अन्य भागों के देहाती इलाक़ों में प्रभावशाली बनकर उभर रहे थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

In some places they were called haoladars, elsewhere they were known as gantidars or mandals. Their rise inevitably weakened zamindari authority.

कुछ जगहों पर उन्हें 'हवलदार' कहा जाता था और कुछ अन्य स्थानों पर वे गाँटीदार (**Gantidar**) या 'मंडल' कहलाते थे। उनके उदय से ज़मींदारों के अधिकार का कमज़ोर पड़ना अवश्यंभावी था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ The jotedars of Dinajpur

Buchanan described the ways in which the jotedars of Dinajpur in North Bengal resisted being disciplined by the zamindar and undermined his power:

❖ दिनाजपुर के जोतदार

बुकानन ने बताया है कि उत्तरी बंगाल के दिनाजपुर ज़िले के जोतदार किस प्रकार ज़मींदार के अनुशासन का प्रतिरोध और उसकी शक्ति की अवहेलना किया करते थे :

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Landlords do not like this class of men, but it is evident that they are absolutely necessary, unless the landlords themselves would advance money to their necessitous tenantry ...

भूस्वामी इस वर्ग के लोगों को पसंद नहीं करते थे, लेकिन यह स्पष्ट है कि इन लोगों का होना बहुत ज़रूरी था क्योंकि इनके बिना, ज़रूरतमंद काश्तकारों को पैसा उधार कौन देता...

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The jotedars who cultivate large portions of lands are very refractory, and know that the zamindars have no power over them.

जोतदार, जो बड़ी-बड़ी ज़मीनें जोतते हैं, बहुत ही हठीले और जिद्दी हैं और यह जानते हैं कि ज़मींदारों का उन पर कोई वश नहीं चलता।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The jotedars who cultivate large portions of lands are very refractory, and know that the zamindars have no power over them. They pay only a few rupees on account of their revenue and then fall in balance almost every kist (instalment), they hold more lands than they are entitled to by their pottahs (deeds of contract).

जोतदार, जो बड़ी-बड़ी ज़मीनें जोतते हैं, बहुत ही हठीले और जिद्दी हैं और यह जानते हैं कि ज़मींदारों का उन पर कोई वश नहीं चलता। वे तो अपने राजस्व के रूप में कुछ थोड़े से रुपय ही दे देते हैं और लगभग हर किस्त में कुछ-न-कुछ बक़ाया रक़म रह जाती है। उनके पास उनके पट्टे की हकदारी से ज़्यादा ज़मीनें हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Should the zamindar's officers, in consequence, summon them to the cutcherry, and detain them for one or two hours with a view to reprimand them, they immediately go and complain at the Fouzdarry Thanna (police station) for imprisonment and at the munsiff 's (a judicial officer at the lower court) cutcherry for being dishonoured and whilst the causes continue unsettled, they instigate the petty ryots not to pay their revenue consequently ...

ज़मींदार की रक़म के कारण, अगर अधिकारी उन्हें कचहरी में बुलाते थे और उन्हें डराने-धमकाने के लिए घंटे-दो-घंटे कचहरी में रोक लेते हैं तो वे तुरंत उनकी शिकायत करने के लिए फ़ौजदारी थाना (पुलिस थाना) या मुन्सिफ़ की कचहरी में पहुँच जाते हैं और कहते हैं कि ज़मींदार के कारिंदों ने उनका अपमान किया है। इस प्रकार राजस्व की बक़ाया रक़मों के मामलें बढ़ते जाते हैं और जोतदार छोटे-छोटे रैयत को राजस्व न देने के लिए भड़काते रहते हैं...

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

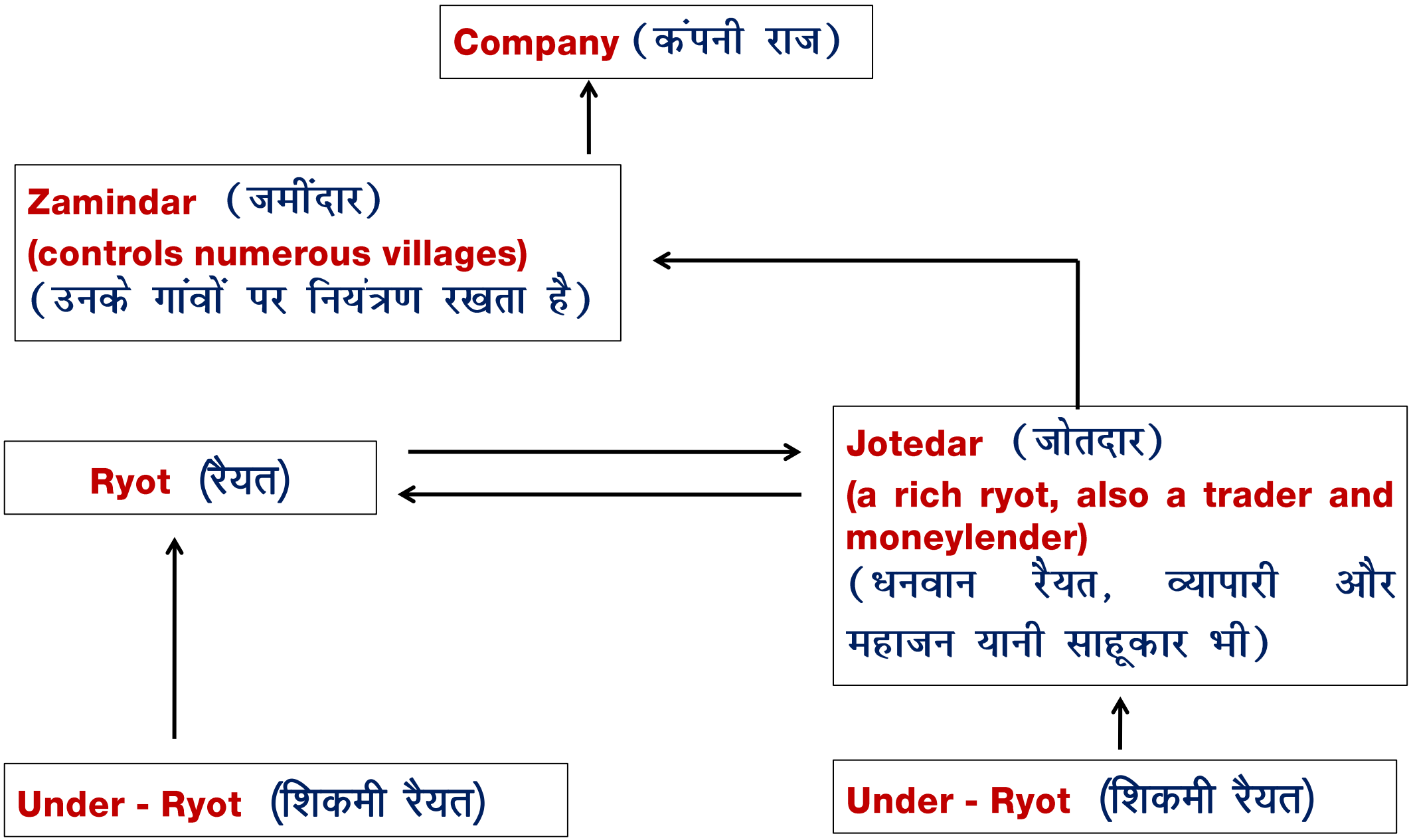

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ **Zamindars were responsible for:**

(a) paying revenue to the company

(b) distributing the revenue demand (jama) over villages.

❖ ज़मींदार

(क) कंपनी को राजस्व अदा करने के लिए,

(ख) गाँवों पर राजस्व संबंधी माँग (जमा) निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

- Each village ryot, big or small, paid rent to the zamindar.
- गाँव का प्रत्यक छोटा या बड़ा रैयत, ज़मींदार को लगान अदा करता था।
- Jotedars gave out loans to other ryots and sold their produce.
- जोतदार अन्य रैयतों को उधार देते थे और अपनी उपज बेचते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

- **Ryots cultivated some land and gave out the rest to under-ryots on rent.**
- रैयत कुछ ज़मीन खुद जोतते थे और बाकी ज़मीन शिकमी रैयत को लगान पर दे देते थे।
- **Under-ryots paid rent to the ryots.**
- शिकमी रैयत, रैयतों को लगान देते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖The zamindars resist

❖ ज़मींदारों की ओर से प्रतिरोध

When a part of the estate was auctioned, the zamindar's men bought the property, outbidding other purchasers. Subsequently they refused to pay up the purchase money, so that the estate had to be resold.

जब भू-संपदा का कुछ हिस्सा नीलाम किया गया तो ज़मींदार के आदमियों ने ही अन्य ख़रीददारों के मुक़ाबले ऊँची-ऊँची बोलियां लगाकर संपत्ति को ख़रीद लिया। आगे चलकर उन्होंने ख़रीद की राशि को अदा करने से इनकार कर दिया, इसलिए उस भूसंपदा को फिर से बेचना पड़ा।

Once again it was bought by the zamindar's agents, once again the purchase money was not paid, and once again there was an auction.

एक बार फिर ज़मींदार के एजेंटों ने ही उसे ख़रीद लिया और फिर एक बार ख़रीद की रक़म नहीं अदा की गई और इसलिए एक बार फिर नीलामी करनी पड़ी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

महाराजा मेहताब चंद (1820–79)।
जब इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया था, तब तेजचंद, बर्दवान का राजा था। उसके बाद, मेहताबचंद के शासन में बर्दवान की ज़मींदारी काफ़ी फली-फूली। मेहताबचंद ने संथालों के विद्रोह और 1857 के विद्रोह के दौरान अंग्रेजी हुकूमत का साथ दिया था।

This process was repeated endlessly, exhausting the state, and the other bidders at the auction. At last the estate was sold at a low price back to the zamindar.

यह प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती रही और अंततोगत्वा राज और नीलामी के समय बोली लगाने वाले थक गए। जब किसी ने भी बोली नहीं लगाई तो उस संपदा को नीची क़ीमत पर फिर ज़मींदार को ही बेचना पड़ा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The zamindar never paid the full revenue demand; the Company rarely recovered the unpaid balances that had piled up.

ज़मींदार कभी भी राजस्व की पूरी माँग नहीं अदा करता था; इस प्रकार कंपनी कभी-कभार ही किसी मामले में इकट्ठी हुई बकाया राजस्व की राशियों को वसूल कर पाती थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Benami, literally anonymous, is a term used in Hindi and several other Indian languages for transactions made in the name of a fictitious or relatively insignificant person, whereas the real beneficiary remains unnamed.

बेनामी का शाब्दिक अर्थ 'गुमनाम' है, हिंदी तथा कुछ अन्य भारतीय भाषाओं में इस शब्द का प्रयोग एसे सौदों के लिए किया जाता है जो किसी फ़र्जी या अपेक्षाकृत महत्त्वहीन व्यक्ति के नाम से किए जाते हैं और उनमें असली फ़ायदा पाने वाले व्यक्ति का नाम नहीं दिया जाता।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Lathyal, literally one who wields the lathi or stick, functioned as a strongman of the zamindar.

लठियाल, का शाब्दिक अर्थ है वह व्यक्ति जिसके पास लाठी या डंडा हो। य ज़मींदार के लठैत यानी डंडेबाज पक्षधर होते थे।

❖ The Fifth Report

❖ पाँचवीं रिपोर्ट

It was the fifth of a series of reports on the administration and activities of the East India Company in India.

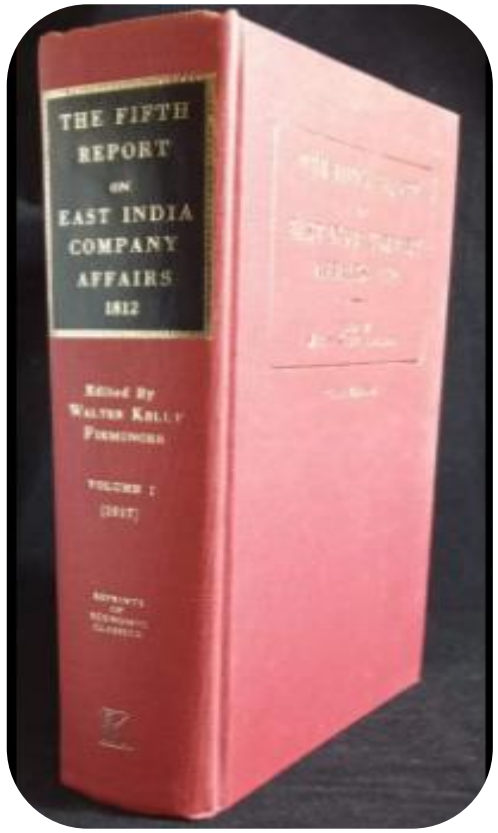

यह उन रिपोर्टों में से पाँचवीं रिपोर्ट थी जो भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Often referred to as the Fifth Report, it ran into 1002 pages, of which over 800 pages were appendices that reproduced petitions of zamindars and ryots, reports of collectors from different districts, statistical tables on revenue returns, and notes on the revenue and judicial administration of Bengal and Madras (present-day Tamil Nadu) written by officials

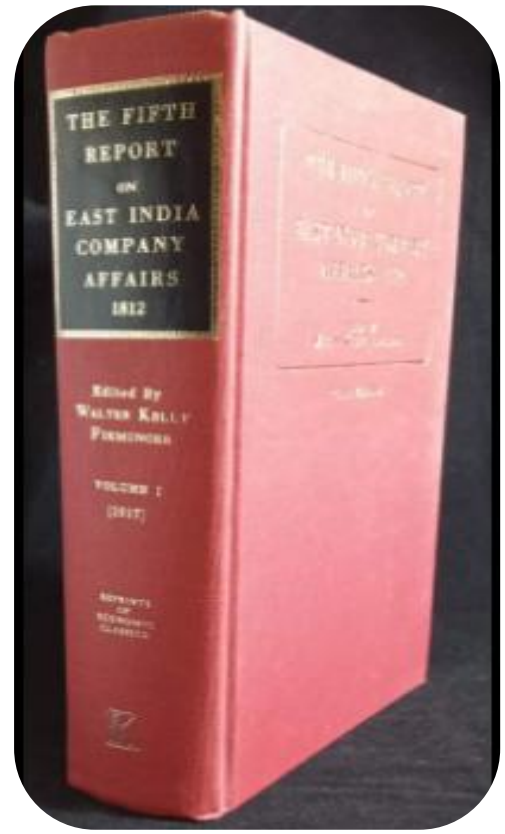

अक्सर 'पाँचवीं रिपोर्ट' के नाम से उल्लिखित यह रिपोर्ट **1002** पृष्ठों में थी। इसके **800** से अधिक पृष्ठ परिशिष्टों के थे जिनमें ज़मींदारों और रैयतों की अर्जियां, भिन्न-भिन्न जिलों के कलेक्टरों की रिपोर्टें, राजस्व विवरणियों से संबंधित सांख्यिकीय तालिकाएँ और अधिकारियों द्वारा बंगाल और मद्रास के राजस्व तथा न्यायिक प्रशासन पर लिखित टिप्पणियां शामिल की गई थीं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

There were many groups in Britain who were opposed to the monopoly that the East India Company had over trade with India and China. These groups wanted a revocation of the Royal Charter that gave the Company this monopoly.

ब्रिटेन में बहुत से एसे समूह भी थे जो भारत तथा चीन के साथ व्यापार पर ईस्ट इंडिया कंपनी के एकाधिकार का विरोध करते थे। वे चाहते थे कि उस शाही फरमान को रद्द कर दिया जाए जिसके तहत इस कंपनी को यह एकाधिकार दिया गया था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

An increasing number of private traders wanted a share in the India trade, and the industrialists of Britain were keen to open up the Indian market for British manufactures.

एसे निजी व्यापारियों की संख्या बढ़ती जा रही थी जो भारत के साथ होने वाले व्यापार में हिस्सा लेना चाहते थे और ब्रिटेन के उद्योगपति ब्रिटिश विनिर्माताओं के लिए भारत का बाज़ार खुलवाने के लिए उत्सुक थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The British Parliament passed a series of Acts in the late eighteenth century to regulate and control Company rule in India. It forced the Company to produce regular reports on the administration of India and appointed committees to enquire into the affairs of the Company.

ब्रिटिश संसद ने भारत में कंपनी के शासन को विनियमित और नियंत्रित करने के लिए अठारहवीं शताब्दी के अंतिम दशकों में अनेक अधिनियम पारित किए। कंपनी को बाध्य किया गया कि वह भारत के प्रशासन के विषय में नियमित रूप से अपनी रिपोर्ट भेजा करे और कंपनी के कामकाज की जाँच करने के लिए कई समितियां नियुक्त की गइं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The Fifth Report was one such report produced by a Select Committee. It became the basis of intense parliamentary debates on the nature of the East India Company's rule in India.

'पाँचवीं रिपोर्ट' एक एसी ही रिपोर्ट है जो एक प्रवर समिति द्वारा तैयार की गई थी। यह रिपोर्ट भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के स्वरूप पर ब्रिटिश संसद में गंभीर वाद-विवाद का आधार बनी।

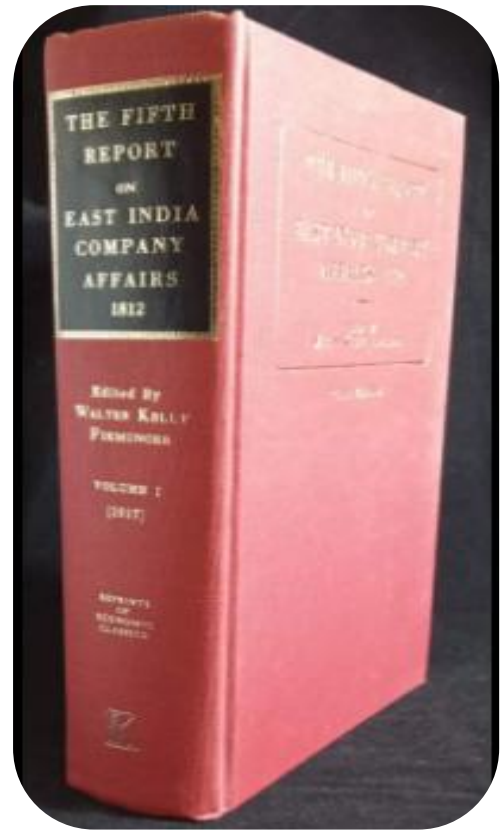

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

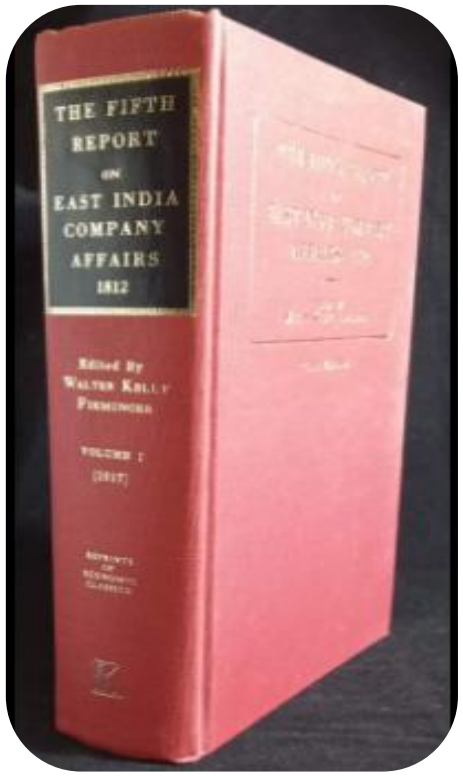

The evidence contained in the Fifth Report is invaluable.

पाँचवीं रिपोर्ट में उपलब्ध साक्ष्य बहुमूल्य हैं।

In fact, recent researches show that the arguments and evidence offered by the Fifth Report cannot be accepted uncritically.

वास्तव में आधुनिक शोधों से पता चलता है कि पाँचवीं रिपोर्ट में दिए गए तकों और साक्ष्यों को बिना किसी आलोचना के स्वीकार नहीं किया जा सकता।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The Fifth Report exaggerated the collapse of traditional zamindari power, as also overestimated the scale on which zamindars were losing their land.

पाँचवीं रिपोर्ट में परंपरागत ज़मींदारी सत्ता के पतन का वर्णन अतिरंजित है और जिस पैमाने पर ज़मींदार लोग अपनी ज़मीनें खोते जा रहे थे उसके बारे में भी बढ़ा-चढ़ा कर कहा गया है।

बंगाल के गाँव का दृश्य; जॉर्ज चिनरी द्वारा 1820 में चित्रित।

चिनरी भारत में 23 वर्ष (1802-25) तक रहा था। उस दौरान उसने अनेक चित्र बनाए थे जिनमें आम लोगों के जनजीवन से संबंधित चित्र, भूदृश्यों के चित्र, विशिष्ट व्यक्तियों तथा विशाल भवनों के चित्र शामिल थे। नीचे दी गई आकृति में ग्रामीण बंगाल के एक घर का चित्र दिया गया है; उन दिनों जोतदार और साहूकार लोग ऐसे ही घरों में रहा करते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ From the Fifth Report

Referring to the condition of zamindars and the auction of lands, the Fifth Report stated:

❖ पाँचवीं रिपोर्ट से उद्धृत

ज़मींदारों की हालत और ज़मीनों की नीलामी के बारे में पाँचवीं रिपोर्ट में कहा गया है :

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The revenue was not realised with punctuality, and lands to a considerable extent were periodically exposed to sale by auction. In the native year 1203, corresponding with 1796-97, the land advertised for sale comprehended a jumma or assessment of sicca rupees 28,70,061, the extent of land actually sold bore a jumma or assessment of 14,18,756, and the amount of purchase money sicca rupees 17,90,416.

राजस्व समय पर नहीं वसूल किया जाता था और काफ़ी हद तक ज़मीनें समय-समय पर नीलामी पर बेचने के लिए रखी जाती थीं। स्थानीय वर्ष 1203, तदनुसार सन् 1796 - 97 में बिक्री के लिए विज्ञापित ज़मीन की निर्धारित राशि (जुम्मा) 28,70,061 सिक्का रु. थी और वह वास्तव में 17,90,416 रु. में बेची गई और 14,18,756 रु. की राशि जुम्मा के रूप में प्राप्त हुई।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

In 1204, corresponding with 1797-98, the land advertised was for sicca rupees 26,66,191, the quantity sold was for sicca rupees 22,74,076, and the purchase money sicca rupees 21,47,580. Among the defaulters were some of the oldest families of the country. Such were the rajahs of Nuddea, Rajeshaye, Bishenpore (all districts of Bengal), ... and others,

स्थानीय संवत **1204** तदनुसार सन् **1797 - 98** में **26,66,191** सिक्का रु. के लिए ज़मीन विज्ञापित की गई, **22,74,076** सिक्का रु॰ की ज़मीन बेची गई और क्रय राशि **21,47,580** सिक्का रु. थी। बाकीदारों में कुछ लोग देश के बहुत पुराने परिवारों में से थे। य थे : नदिया, राजशाही, विशनपुर (सभी बंगाल के ज़िले) आदि के राजा...।

the dismemberment of whose estates at the end of each succeeding year, threatened them with poverty and ruin, and in some instances presented difficulties to the revenue officers, in their efforts to preserve undiminished the amount of public assessment.

साल दर साल उनकी जागीरों के टूटते जाने से उनकी हालत बिगड गई। उन्हें ग़रीबी और बरबादी का सामना करना पड़ा और कुछ मामलों में तो सार्वजनिक निर्धारण की राशि को यथावत बनाए रखने के लिए राजस्व अधिकारियों को भी काफ़ी कठिनाइयां उठानी पड़ीं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ The Hoe and the Plough (In the hills of Rajmahal)

❖ कुदाल और हल (राजमहल की पहाडियों में)

In the early nineteenth century, Buchanan travelled through the Rajmahal hills. From his description, the hills appeared impenetrable, a zone where few travellers ventured, an area that signified danger.

उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में, बुकानन ने राजमहल की पहाडियों का दौरा किया था। उसके वर्णन के अनुसार य पहाडियाँ अभेद्य लगती थीं। यह एक एसा ख़तरनाक इलाक़ा था जहां बहुत कम यात्री जाने की हिम्मत करते थे।

राजमहल की पहाड़ियों में स्थित एक पहाड़ी गाँव का चित्र जो 1782 में विलियय होजेज द्वारा चित्रित किया गया था।
विलियम होजेज एक ब्रिटिश कलाकार था जो कैप्टेन कुक के साथ उसकी प्रशांत महासागर की दूसरी समुद्र यात्रा (1772-75) के दौरान प्रशांत क्षेत्र में गया था और वहाँ से भारत आया था। 1781 में वह भागलपुर के कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड का मित्र बन गया था। क्लीवलैंड के निमंत्रण पर होजेज 1782 में उसके साथ जंगल महालों के भ्रमण पर गया था। वहाँ होजेज ने कई एक्वाटिंट तैयार किए थे। उस समय के अनेक चित्रकारों की तरह होजेज ने भी बड़े सुंदर-सुंदर रमणीय दृश्यों की खोज की थी। उस समय के चित्रोपम दृश्यों के खोजी कलाकार स्वच्छंदतावाद की विचारधारा से प्रेरित थे; इस विचारधारा के अंतर्गत प्रकृति की पूजा की जाती थी और उसके सौंदर्य एवं शक्ति की प्रशंसा की जाती थी। रूमानी कलाकार यह महसूस करते थे कि प्रकृति से संलाप संबंध बनाने के लिए यह आवश्यक है कि कलाकार प्रकृति के निकट संपर्क में आए, अपने ग्राम गीतों में प्रकृति का चित्रण करे, आधुनिक कृत्रिम सभ्यता से दूषित न हो, अज्ञात भूदृश्यों को खोजे और छाया एवं प्रकाश के अलौकिक आनन्द का लाभ उठाए। प्रकृति के इन्हीं रहस्यों की खोज में ही होजेज ने राजमहल की पहाड़ियों का भ्रमण किया था। उसे समतल-सपाट भूखंड नीरस लगे, जबकि विविधतापूर्ण, ऊँची-नीची, उबड़-खाबड़ ज़मीन में सुंदरता के दर्शन हुए। औपनिवेशिक अधिकारी जिन भूदृश्यों को भयंकर तथा उजाड़, उपद्रवी जंगली लोगों का निवास स्थल मानते थे, वे दृश्य होजेज की चित्रकारी में मनमोहक और रमणीय दिखाई देते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

If we look at late-eighteenth-century revenue records, we learn that these hill folk were known as Paharias.

यदि हम अठारहवीं शताब्दी के परवर्ती दशकों के राजस्व अभिलेखों पर दृष्टिपात करें तो हम जान लेंगे कि इन पहाड़ी लोगों को पहाडिया क्यों कहा जाता था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

They lived around the Rajmahal hills, subsisting on forest produce and practising shifting cultivation. They cleared patches of forest by cutting bushes and burning the undergrowth.

वे राजमहल की पहाडियों के इर्द-गिर्द रहा करते थे। वे जंगल की उपज से अपनी गुजर-बसर करते थे और झूम खेती किया करते थे। वे जंगल के छोटे-से हिस्से में झाडियों को काटकर और घास-फूँस को जलाकर ज़मीन साफ़ कर लेते थे

विलियम होजेज द्वारा चित्रित जंगल प्रदेश का एक दृश्य।
यहाँ आप जंगल से ढकी हुई नीची पहाड़ियाँ, और ऊँची चोटियाँ भी देख सकते हैं जो कहीं भी वास्तव में 2000 फुट से ऊँची नहीं हैं। बीच में खड़ी दुरूह पहाड़ियाँ दिखलाकर होजेज उनकी दुर्गमता पर बल देना चाहता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

From the forests they collected mahua (a flower) for food, silk cocoons and resin for sale, and wood for charcoal production.

उन जंगलों से पहाडिया लोग खाने के लिए महुआ के फूल इकट्ठे करते थे, बेचने के लिए रेशम के कोया और राल और काठकोयला बनाने के लिए लकडियाँ इकट्ठी करते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ Who was Buchanan?

Francis Buchanan was a physician who came to India and served in the Bengal Medical Service (from 1794 to 1815).

❖बुकानन कौन था?

फ़्रांसिस बुकानन एक चिकित्सक था जो भारत आया और बंगाल चिकित्सा सेवा में (1794 से 1815 तक) कायं किया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

During his stay in Calcutta (present-day Kolkata), he organised a zoo that became the Calcutta Alipore Zoo; he was also in charge of the Botanical Gardens for a short period.

कलकत्ता (वर्तमान में कोलकत्ता) के अपने प्रवास के दौरान उसने कलकत्ता में एक चिडियाघर की स्थापना की, जो कलकत्ता अलीपुर चिडियाघर कहलाया। वे थोड़े समय के लिए वानस्पतिक उद्यान के प्रभारी रहे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

On the request of the Government of Bengal, he undertook detailed surveys of the areas under the jurisdiction of the British East India Company. In 1815 he fell ill and returned to England. Upon his mother's death, he inherited her property and assumed her family name Hamilton. So he is often called Buchanan-Hamilton.

बंगाल सरकार के अनुरोध पर उन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूमि का विस्तृत सर्वेक्षण किया। **1815** में वह बीमार हो गए और इंग्लैण्ड चले गए। अपनी माता की मृत्यु के पश्चात् वे उनकी जायदाद के वारिस बने और उन्होंने उनके वंश के नाम 'हैमितटन' को अपना लिया। इसलिए उन्हें अकसर बुकानन-हैमितटन भी कहा जाता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The life of the Paharias – as hunters, shifting cultivators, food gatherers, charcoal producers, silkworm rearers – was thus intimately connected to the forest.

शिकारियों, झूम खेती करने वालों, खाद्य बटोरने वालों, काठकोयला बनाने वालों, रेशम के कीड़े पालने वालों के रूप में पहाडिया लोगों की ज़िंदगी इस प्रकार जंगल से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

They considered the entire region as their land, the basis of their identity as well as survival; and they resisted the intrusion of outsiders.

वे पूरे प्रदेश को अपनी निजी भूमि मानते थे और यह भूमि उनकी पहचान और जीवन का आधार थी। वे बाहरी लोगों के प्रवेश का प्रतिरोध करते थे।

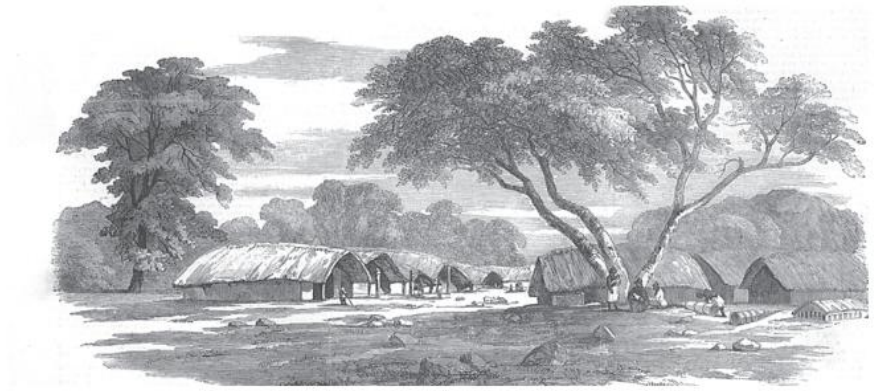

Their chiefs maintained the unity of the group, settled disputes, and led the tribe in battles with other tribes and plainspeople.

उनके मुखिया लोग अपने समूह में एकता बनाए रखते थे, आपसी लड़ाई-झगड़े निपटा देते थे और अन्य जनजातियों तथा मैदानी लोगों के साथ लड़ाई छिड़ने पर अपनी जनजाति का नेतृत्व करते थे।

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The zamindars on the plains had to often purchase peace by paying a regular tribute to the hill chiefs. Traders similarly gave a small amount to the hill folk for permission to use the passes controlled by them.

मैदानों में रहने वाले ज़मींदारों को अकसर इन पहाड़ी मुखियाओं को नियमित रूप से ख़िराज देकर उनसे शांति ख़रीदनी पड़ती थी। इसी प्रकार, व्यापारी लोग भी इन पहाडियों द्वारा नियंत्रित रास्तों का इस्तेमाल करने की अनुमति प्राप्त करने हेतु उन्हें कुछ पथकर दिया करते थे।

Once the toll was paid, the Paharia chiefs protected the traders, ensuring that their goods were not plundered by anyone.

जब एसा पथकर पहाडिया मुखियाओं को मिल जाता था तो वे व्यापारियों की रक्षा करते थे और यह भी आश्वासन देते थे कि कोई भी उनके माल को नहीं लूटेगा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

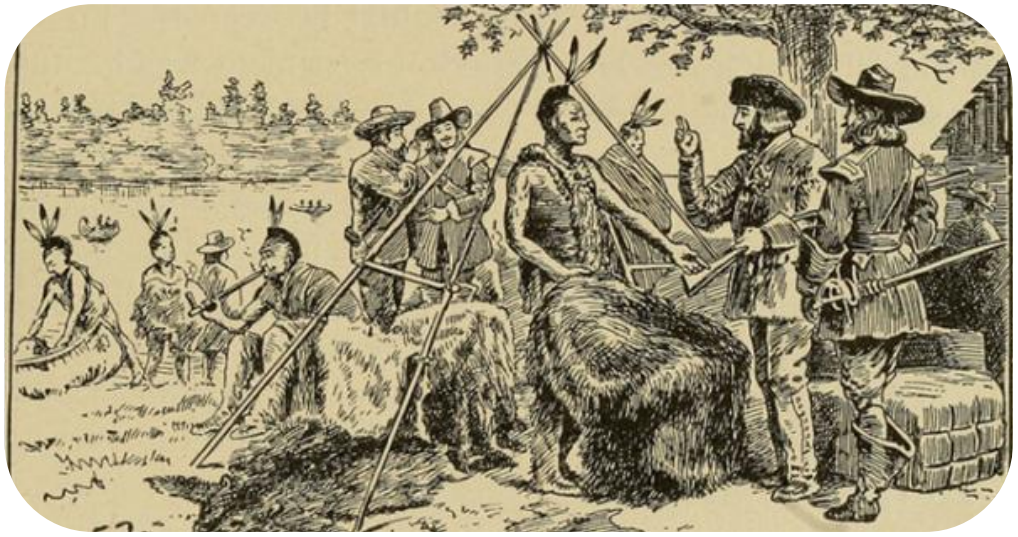

The British encouraged forest clearance, and zamindars and jotedars turned uncultivated lands into rice fields.

अंग्रेज़ों ने जंगलों की कटाई-सफ़ाई के काम को प्रोत्साहित किया और ज़मींदारों तथा जोतदारों ने परती भूमि को धान के खेतों में बदल दिया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

To the British, extension of settled agriculture was necessary to enlarge the sources of land revenue, produce crops for export, and establish the basis of a settled, ordered society.

अंग्रेज़ों के लिए स्थायो कृषि का विस्तार आवश्यक था क्योंकि उससे राजस्व के स्रोतों में वृद्धि हो सकती थी, निर्यात के लिए फ़सल पैदा हो सकती थी और एक स्थायो, सुव्यवस्थित समाज की स्थापना हो सकती थी।

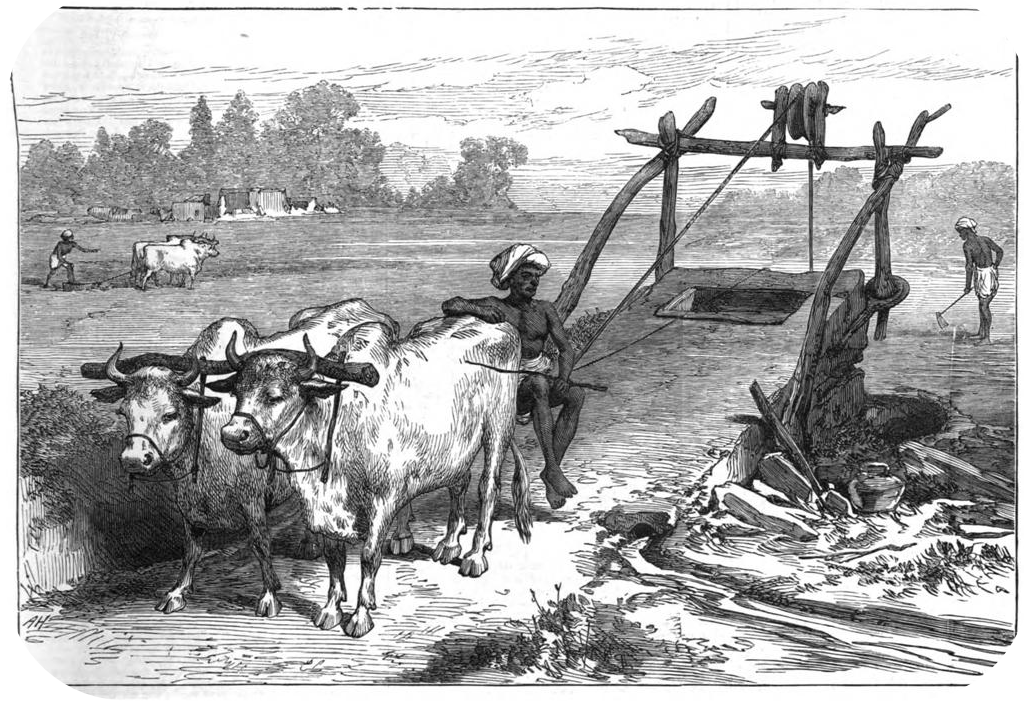

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

So they felt that forests had to be cleared, settled agriculture established, and forest people tamed, civilised and persuaded to give up hunting and take to plough agriculture.

इसलिए उन्होंने यही महसूस किया कि जंगलों का सफ़ाया करके, वहां स्थायो कृषि स्थापित करनी होगी और जंगली लोगों को पालतू व सभ्य बनाना होगा; उनसे शिकार का काम छुड़वाना होगा और खेती का धंधा अपनाने के लिए उन्हें राज़ी करना होगा।

by the 1780s, Augustus Cleveland, the Collector of Bhagalpur, proposed a policy of pacification. Paharia chiefs were given an annual allowance and made responsible for the proper conduct of their men.

1780 के दशक में भागलपुर के कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड ने शांति स्थापना की नीति प्रस्तावित की जिसके अनुसार पहाडिया मुखियाओं को एक वार्षिक भत्ता दिया जाना था और बदले में उन्हें अपने आदमियों का चाल-चलन ठीक रखने की जिम्मेदारी लेनी थी।

Many Paharia chiefs refused the allowances.

बहुत से पहाडिया मुखियाओं ने भत्ता लेने से मना कर दिया।

As the pacification campaigns continued, the Paharias withdrew deep into the mountains, insulating themselves from hostile forces, and carrying on a war with outsiders.

जब शांति स्थापना के लिए अभियान चल रहे थे तभी पहाडिया लोग अपने आपको शत्रुतापूर्ण सैन्यबलों से बचाने के लिए और बाहरी लोगों से लड़ाई चालू रखने के लिए पहाड़ों के भीतरी भागों में चले गए।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The experience of pacification campaigns and memories of brutal repression shaped their perception of British infiltration into the area.

शांति स्थापना के अभियानों के अनुभव और क्रूरतापूर्ण दमन की यादों के कारण उनके मन में यह धारणा बन गई थी कि उनके इलाक़े में ब्रिटिश लोगों की घुसपैठ का क्या असर होने वाला है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

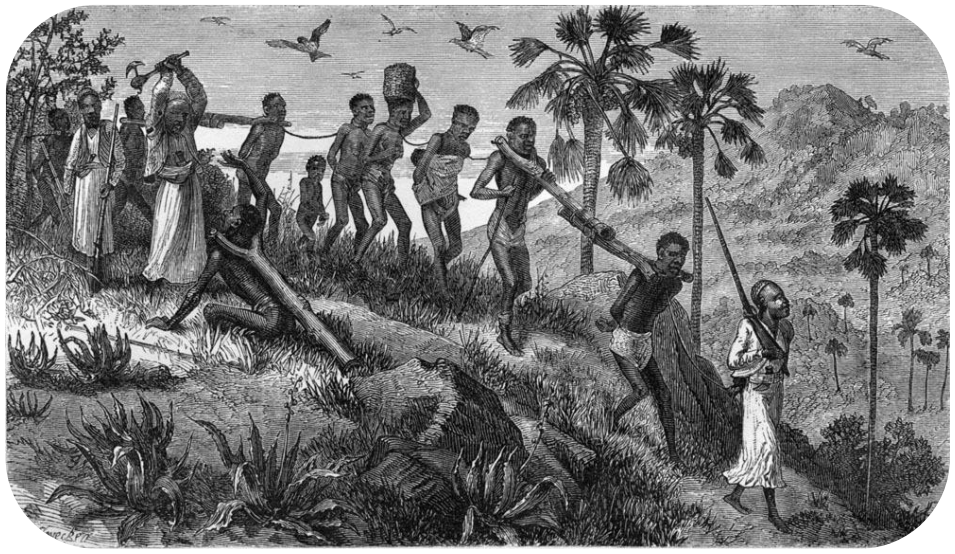

Every white man appeared to represent a power that was destroying their way of life and means of survival, snatching away their control over their forests and lands.

उन्हें एसा प्रतीत होता था कि प्रत्यक गोरा आदमी एक एसी शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रहा है जो उनसे उनके जंगल और ज़मीन छीन कर उनकी जीवन शैली और जीवित रहने के साधनों को नष्ट करने पर उतारू हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

If Paharia life was symbolised by the hoe, which they used for shifting cultivation, the settlers came to represent the power of the plough. The battle between the hoe and the plough was a long one.

पहाडिया लोग अपनी झूम खेती के लिए कुदाल का प्रयोग करते थे; इसलिए यदि कुदाल को पहाडिया जीवन का प्रतीक माना जाए तो हल को नए बाशिंदों (संथालों) की शक्ति का प्रतिनिधि मानना होगा। हल और कुदाल के बीच की यह लड़ाई बहुत लंबी चली।

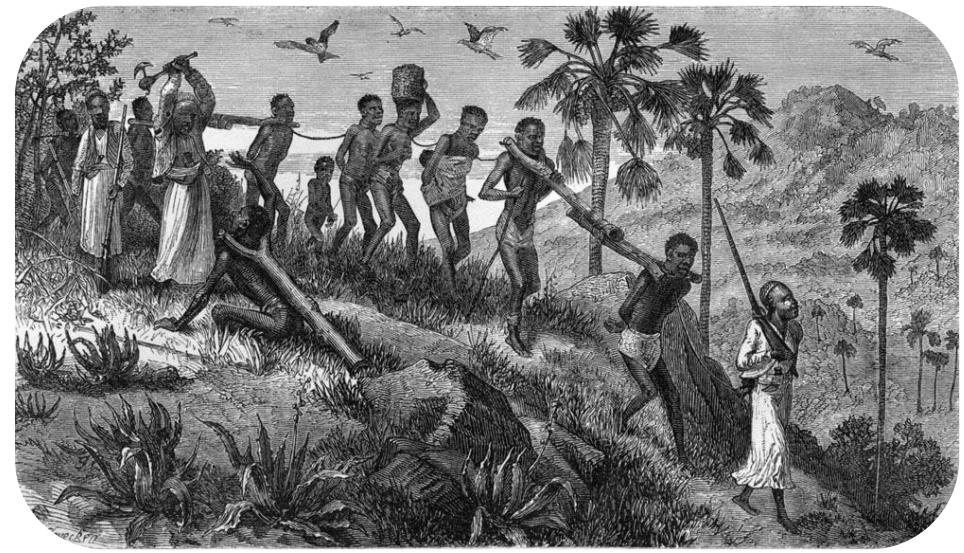

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Aquatint is a picture produced by cutting into a copper sheet with acid and then printing it.

एक्वाटिंट (ताम्रपट्टोत्कीर्णन) एक एसी तसवीर होती है जो ताम्रपट्टी में अम्ल की सहायता से चित्र के रूप में कटाई करके छापी जाती है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

सिधू मांझी, संथाल विद्रोह का नेता

The Santhals had begun to come into Bengal around the 1780s. Zamindars hired them to reclaim land and expand cultivation, and British officials invited them to settle in the Jangal Mahals.

संथाल **1780** के दशक के आस-पास बंगाल में आने लगे थे। ज़मींदार लोग खेती के लिए नयो भूमि तैयार करने और खेती का विस्तार करने के लिए उन्हें भाड़े पर रखते थे और ब्रिटिश अधिकारियों ने उन्हें जंगल महालों में बसने का निमंत्रण दिया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Having failed to subdue the Paharias and transform them into settled agriculturists, the British turned to the Santhals.

जब ब्रिटिश लोग पहाडियों को अपने बस में करके स्थायो कृषि के लिए एक स्थान पर बसाने में असफल रहे तो उनका ध्यान संथालों की ओर गया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The Paharias refused to cut forests, resisted touching the plough, and continued to be turbulent. The Santhals, by contrast, appeared to be ideal settlers, clearing forests and ploughing the land with vigour

पहाडिया लोग जंगल काटने के लिए हल को हाथ लगाने को तैयार नहीं थे और अब भी उपद्रवी व्यवहार करते थे। जबकि, इसके विपरीत, संथाल आदर्श बाशिंदे प्रतीत हुए, क्योंकि उन्हें जंगलों का सफ़ाया करने में कोई हिचक नहीं थी और वे भूमि को पूरी ताक़त लगाकर जोतते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

When the Santhals settled on the peripheries of the Rajmahal hills, the Paharias resisted but were ultimately forced to withdraw deeper into the hills.

जब संथाल राजमहल की पहाडियों पर बसे तो पहले पहाडिया लोगों ने इसका प्रतिरोध किया पर अंततोगत्वा वे इन पहाडियों में भीतर की ओर चले जाने के लिए मजबूर कर दिए गए।

the Paharias could not effectively sustain their mode of cultivation. When the forests of the region were cleared for cultivation the hunters amongst them also faced problems.

पहाडिया लोग खेती के अपने तरीके (झूम खेती) को आगे सफलतापूर्वक नहीं चला सके। जब इस क्षेत्र के जंगल खेती के लिए साफ़ कर दिए गए तो पहाडिया शिकारियों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The Santhals, by contrast, gave up their earlier life of mobility and settled down, cultivating a range of commercial crops for the market, and dealing with traders and moneylenders.

इसके विपरीत संथाल लोगों ने अपनी पहले वाली खानबदोश ज़िंदगी को छोड दिया था। अब वे एक जगह बस गए थे और बाज़ार के लिए कई तरह के वाणिज्यिक फ़सलों की खेती करने लगे थे और व्यापारियों तथा साहूकारों के साथ लेन-देन करने लगे थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

By the 1850s, the Santhals felt that the time had come to rebel against zamindars, moneylenders and the colonial state, in order to create an ideal world for themselves where they would rule.

1850 के दशक तक, संथाल लोग यह महसूस करने लगे थे कि अपने लिए एक आदर्श संसार का निर्माण करने के लिए, जहां उनका अपना शासन हो, ज़मींदारों, साहूकारों और औपनिवेशिक राज के विरुद्ध विद्रोह करने का समय अब आ गया है।

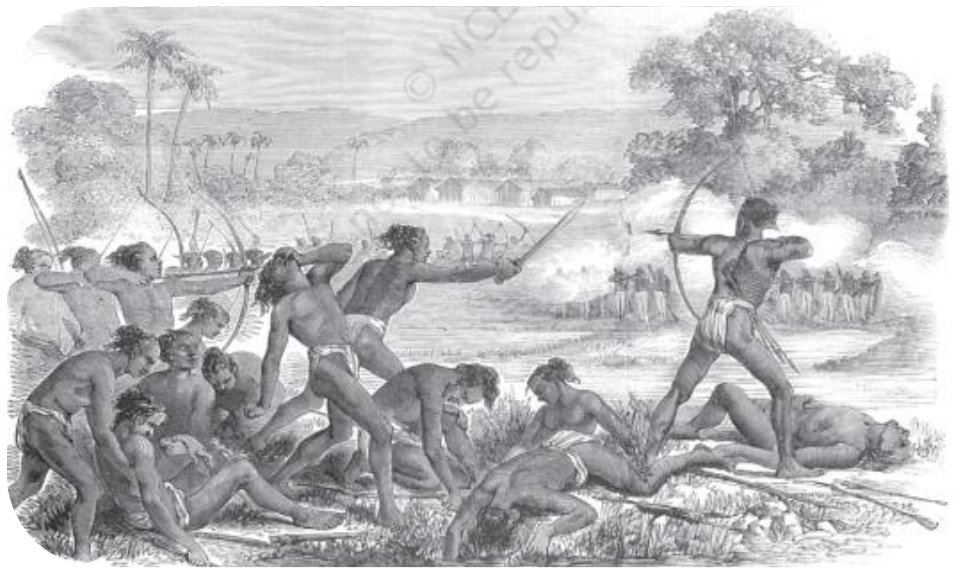

संथाल, ब्रिटिश राज के सिपाहियों से युद्ध करते हुए। 23 फ़रवरी 1856 के *इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़* में प्रकाशित चित्र। इस विद्रोह ने संथालों के प्रति ब्रिटिश धारणा को बदल दिया। जो गाँव पहले नीरव एवं शांत दिखाई देते थे (चित्र 10.10) अब नृशंस एवं बर्बरतापूर्ण कृत्यों के स्थान बन गए।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

It was after the Santhal Revolt (1855-56) that the Santhal Pargana was created, carving out 5,500 square miles from the districts of Bhagalpur and Birbhum.

1855 - 56 के संथाल विद्रोह के बाद संथाल परगने का निर्माण कर दिया गया, जिसके लिए **5,500** वर्गमील का क्षेत्र भागलपुर और बीरभूम जिलों में से लिया गया।

संथालों के गाँव जल रहे है। 23 फ़रवरी 1856 के *इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़* में प्रकाशित चित्र। विद्रोह कुचल दिए जाने के बाद, इलाके की छानबीन की गई, संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ लिया गया और गाँवों को आग लगा दी गई। जलते हुए गाँवों के चित्र ब्रिटेन में आम जनता को दिखाए गए, गर्वपूर्वक यह दर्शाने के लिए कि ब्रिटिश कितने शक्तिशाली हैं और उनमें विद्रोह को कुचल डालने और औपनिवेशिक व्यवस्था को थोपने की कितनी अधिक योग्यता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The colonial state hoped that by creating a new territory for the Santhals and imposing some special laws within it, the Santhals could be conciliated.

औपनिवेशिक राज को आशा थी कि संथालों के लिए नया परगना बनाने और उसमें कुछ विशेष क़ानून लागू करने से संथाल लोग संतुष्ट हो जाएँगे।

संथाल कैदियों को ले जाया जा रहा है। इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़, 1856

ध्यान दीजिए कि ऐसे चित्र किस प्रकार के राजनीतिक संदेश देते हैं। आप देख सकते हैं कि चित्र के बीचों-बीच ब्रिटिश अधिकारी विजयगर्वित होकर किस शान से हाथी पर सवार हैं। घोड़े पर बैठा हुआ एक अधिकारी हुक्का गुड़गुड़ा रहा है; यह तसवीर यह दिखलाती है कि परेशानी का समय ख़त्म हो गया है, विद्रोह कुचल दिया गया है। विद्रोही अब जंज़ीरों से बँधे जेल ले जाए जा रहे हैं कंपनी के सिपाही उन्हें चारों ओर से घेरे हुए है। इस तरह की तसवीरें, जिनमें ब्रिटिश हुकूमत को अजेय दर्शाया गया है, ब्रिटिश जनता को अपनी ताक़त के बारे में आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त थीं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ Buchanan on the Santhals

Buchanan wrote: They are very clever in clearing new lands, but live meanly. Their huts have no fence, and the walls are made of small sticks placed upright, close together and plastered within with clay. They are small and slovenly, and too flat-roofed, with very little arch.

❖ संथालों के बारे में बुकानन के विचार

नयो ज़मीनें साफ़ करने में वे बहुत होशियार होते हैं लेकिन नीचता से रहते हैं। उनकी झोपडियों में कोई बाड नहीं होती और दीवारें सीधी खड़ी की गई छोटी-छोटी सटी हुई लकडियों की बनी होती हैं जिन पर भीतर की ओर लेप (पलस्तर) लगा होता है। झोपडियाँ छोटी और मैली-कुचैली होती हैं; उनकी छत सपाट होती हैं, उनमें उभार बहुत कम होता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ The rocks near Kaduya

Buchanan's journal is packed with observations like the following : About a mile farther on, (I) came to a low ledge of rocks without any evident strata; it is a small grained granite with reddish feldspar, with quartz and black mica ...

❖कडुया के पास की चट्टाने

बुकानन की पत्रिका निम्नलिखित एसे प्रेक्षणों से भरी पड़ी है: आगे लगभग एक मील चलने के बाद में (मैं) चट्टानों के एक शिलाफलक पर आ गया; जिसका कोई यह एक छोटा दानेदार ग्रेनाइट है जिसमें लाल- लाल फेल्डस्पार, क्वार्ट्ज़ और काला अबरक लगा है...

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

More than half a mile from thence, I came to another rock not stratified, and consisting of very finegrained granite with yellowish feldspar, whitish quartz and black mica.

वहां से आधा मील से अधिक की दूरी पर मैं एक अन्य चट्टान पर आया वह भी स्तरहीन थी और उसमें बारीक दानों वाला ग्रेनाइट था जिसमें पीला-सा फेल्डस्पार, सफ़ेद-सा क्वार्ट्ज और काल, अबरक था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ The accounts of Buchanan

❖ बुकानन का विवरण

It surveyed landscapes and revenue sources, organised voyages of discovery, and sent its geologists and geographers, its botanists and medical men to collect information. Buchanan, undoubtedly an extraordinary observer, was one such individual.

उसने परिदृश्यों तथा राजस्व स्रोतों का सर्वेक्षण किया, खोज यात्राएँ आयोजित कीं, और जानकारी इकट्ठी करने के लिए अपने भूविज्ञानियों, भूगोलवेत्ताओं, वनस्पति विज्ञानियों और चिकित्सकों को भेजा। निस्संदेह असाधारण प्रेक्षण शक्ति का धनी बुकानन एसा ही एक व्यक्ति था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Everywhere Buchanan went, he obsessively observed the stones and rocks and the different strata and layers of soil.

बुकानन जहां कहीं भी गया, वहां उसने पत्थरों तथा चट्टानों और वहां की भूमि के भिन्न-भिन्न स्तरों तथा परतों को ध्यानपूर्वक देखा।

He searched for minerals and stones that were commercially valuable, he recorded all signs of iron ore and mica, granite and saltpetre. He carefully observed local practices of salt-making and ironore-mining.

उसने वाणिज्यिक दृष्टि से मूल्यवान पत्थरों तथा खनिजों को खोजने की कोशिश की; उसने लौह खनिज और अबरक, ग्रेनाइट तथा साल्टपीटर से संबंधित सभी स्थानों का पता लगाया। उसने सावधानीपूर्वक नमक बनाने और कच्चा लोहा निकालने की स्थानीय पद्धतियों का निरीक्षण किया।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

And we must remember that his vision and his priorities were different from those of the local inhabitants: his assessment of what was necessary was shaped by the commercial concerns of the Company and modern Western notions of what constituted progress.

और हमें यह भी याद रखना होगा कि उसकी सूक्ष्म दृष्टि और प्राथमिकताएँ स्थानीय निवासियों से भिन्न होती थीं: क्या आवश्यक है इस बारे में उसका आकलन कंपनी के वाणिज्यिक सरोकारों से और प्रगति के संबंध में आधुनिक पाश्चात्य विचारधारा से निर्धारित होता था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

He was inevitably critical of the lifestyles of forest dwellers and felt that forests had to be turned into agricultural lands.

वह अनिवार्य रूप से वनवासियों की जीवन–शैली का आलोचक था और यह महसूस करता था कि वनों को कृषि भूमि में बदलना ही होगा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ On clearance and settled cultivation

Passing through one village in the lower Rajmahal hills, Buchanan wrote: The view of the country is exceedingly fine, the cultivation, especially the narrow valleys of rice winding in all directions, the cleared lands with scattered trees, and the rocky hills are in perfection; all that is wanted is some appearance of progress in the area and a vastly extended and improved cultivation, of which the country is highly susceptible.

❖वनों की बटाई और स्थायी कृषि के बारे मे

निचली राजमहल की पहाडियों में एक गाँव से गुजरते हुए, बुकानन ने लिखाः इस प्रदेश का दृश्य बहुत ही बढ़िया है; यहां की खेती विशेष रूप से, घुमावदार संकरी घाटियों में धान की फ़सल, बिखरे हुए पेड़ों के साथ साफ़ की गई जमीन, और चट्टानी पहाडियाँ सभी अपने आप में पूर्ण हैं, कमी है तो बस इस क्षेत्र में कुछ प्रगति की और विस्तृत तथा उन्नत खेती की, जिनके लिए यह प्रदेश अत्यंत संवेदनशील है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Plantations of Asan and Palas, for Tessar (Tassar silk worms) and Lac, should occupy the place of woods to as great an extent as the demand will admit; the remainder might be all cleared, and the greater part cultivated, while what is not fit for the purpose, might rear Plamira (palmyra) and Mowa (mahua).

यहां लकड़ी की जगह टसर और लाख के लिए आवश्यकतानुसार बड़े-बड़े बागान लगाए जा सकते हैं; बाक़ी जंगल को भी साफ़ किया जा सकता है, और जो भाग इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त न हो वहां पनई ताड और महुआ के पेड लगाए जा सकते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ A Revolt in the Countryside (The Bombay Deccan)

❖ देहात में विद्रोह (बम्बई दक्कन)

In such climactic times rebels express their anger and fury; they rise against what they perceive to be injustice and the causes of their suffering.

एसे नाजुक दौर में विद्रोही अपना ग़ुस्सा और प्रकोपोन्माद दिखलाते हैं; वे जिसे अन्याय और अपने दु:ख-दर्द का कारण समझते हैं उनके खिलाफ़ आवाज़ बुलंद करते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Revolts also produce records that historians can look at. Alarmed by the actions of rebels and keen on restoring order, state authorities do not simply repress a rebellion.

विद्रोहों के बारे में एसे अभिलेख भी उपलब्ध होते हैं, जिनका इतिहासकार अवलोकन कर सकते हैं। विद्रोहियों की करतूतों से उत्तेजित होकर और पुनः व्यवस्था स्थापित करने की उत्कट इच्छा से, राज्य के प्राधिकारी केवल विद्रोह को ही दबाने का प्रयत्न नहीं करते, बल्कि वे उसे जानने-बूझने की कोशिश करते है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

These enquiries produce evidence that historians can explore.

एसी जाँच-पड़ताल से साक्ष्य उत्पन्न होता है जिसके बारे में इतिहासकार शोध कर सकें।

Through the nineteenth century, peasants in various parts of India rose in revolt against moneylenders and grain dealers. One such revolt occurred in 1875 in the Deccan.

उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान, भारत के विभिन्न प्रांतों के किसानों ने साहूकारों और अनाज के व्यापारियों के विरुद्ध अनेक विद्रोह किए। एसा ही एक दक्कन में **1875** में हुआ।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ On that day in Supa

On 16 May 1875, the District Magistrate of Poona wrote to the Police Commissioner:

On arrival at Supa on Saturday 15 May I learnt of the disturbance.

❖उस दिन सूपा में

16 मई 1875 को, पूना के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त को लिखा:

शनिवार दिनांक 15 मई को सूपा में आने पर मुझे इस उपद्रव का पता चला।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

One house of a moneylender was burnt down; about a dozen were forcibly broken into and completely gutted of their content. Account papers, bonds, grains, country cloth were burnt in the street where heaps of ashes are still to be seen.

एक साहूकार का घर पूरी तरह जला दिया गया; लगभग एक दर्जन मकानों को तोड दिया गया और उनमें घुसकर वहां के सारे सामान को आग लगा दी गई। खाते पत्र, बांड, अनाज, देहाती कपड़ा, सड़कों पर लाकर जला दिया गया, जहां राख़ के ढर अब भी देखे जा सकते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The chief constable apprehended 50 persons. Stolen property worth Rs 2000 was recovered. The estimated loss is over Rs 25,000. Moneylenders claim it is over 1 lakh.

DECCAN RIOTS COMMISSION

मुख्य कांस्टेबल ने **50** लोगों को गिरफ्तार किया। लगभग **2000** रु. का चोरी का माल छुड़ा लिया गया। अनुमानत: **25,000** रु. से अधिक की हानि हुई। साहूकारों का दावा है कि **1** लाख रु. से ज़्यादा का नुक़सान हुआ है

दक्कन दंगा आयोग

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

A sahukar was someone who acted as both a moneylender and a trader.

साहूकार एसा व्यक्ति होता था जो पैसा उधार देता था और साथ ही व्यापार भी करता था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ **Account books are burnt**

❖ लेखा बहियां जला दी गई

The movement began at Supa, a large village in Poona (present-day Pune) district. It was a market centre where many shopkeepers and moneylenders lived.

यह आंदोलन पूना (आधुनिक पुणे) जिले के एक बड़े गाँव सूपा में शुरू हुआ। सूपा एक विपणन केंद्र (मंडी) था जहां अनेक व्यापारी और साहूकार रहते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

On 12 May1875, ryots from surrounding rural areas gathered and attacked the shopkeepers, demanding their bahi khatas (account books) and debt bonds. They burnt the khatas, looted grain shops, and in some cases set fire to the houses of sahukars.

12 मई 1875 को, आसपास के ग्रामीण इलाकों के रैयत (किसान) इकट्ठे हो गए, उन्होंने साहूकारों से उनके बही-खातों और ऋणबंधों की माँग करते हुए उन पर हमला बोल दिया। उन्होंने उनके बही-खाते जला दिए, अनाज की दुकानें लूट लीं और कुछ मामलों में तो साहूकारों के घरों को भी आग लगा दी।

More than thirty villages were affected. Everywhere the pattern was the same: sahukars were attacked, account books burnt and debt bonds destroyed.

तीस से अधिक गाँव इससे कुप्रभावित हुए। सब जगह विद्रोह का स्वरूप एकसमान ही था: साहूकारों पर हमला किया गया, बही-खाते जला दिए गए और ऋणबंध नष्ट कर दिए गए।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ A newspaper report

The following report, titled 'The ryot and the moneylender', appeared in the Native Opinion (6 June 1876), and was quoted in Report of the Native Newspapers of Bombay:

❖ समाचारपत्र में छपी रिपोर्ट

'रैयत और साहूकार' शीर्षक नामक निम्नलिखित रिपोर्ट **6** जून **1876** के 'नेटिव ओपीनियन' नामक समाचार पत्र में छपी और उसे मुंबई के नेटिव न्यूज़पेपर्स की रिपोर्ट में यथावत उद्धृत किया गया (हिंदी अनुवाद प्रस्तुत है):

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

They (the ryots) first place spies on the boundaries of their villages to see if any Government officers come, and to give timely intimation of their arrival to the offenders.

"वे (रैयत) सर्वप्रथम अपने गाँवों की सीमाओं पर यह देखने के लिए जासूसी करते हैं कि क्या कोई सरकारी अधिकारी आ रहा है और अपराधियों को समय रहते उनके आने की सूचना दे देते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

They then assemble in a body and go to the houses of their creditors, and demand from them a surrender of their bonds and other documents, and threaten them in case of refusal with assault and plunder. If any Government officer happens to approach the villages where the above is taking place, the spies give intimation to the offenders and the latter disperse in time.

फिर वे एक झुंड बनाकर अपने ऋणदाताओं के घर जाते हैं और उनसे उनके ऋणपत्र और अन्य दस्तावेज़ माँगते हैं और इनकार करने पर ऋणदाताओं पर हमला करके छीन लेते हैं। यदि एसी किसी घटना के समय कोई सरकारी अधिकारी उन गाँवों की ओर आता हुआ दिखाई दे जाता है तो गुप्तचर अपराधियों को इसकी ख़बर पहुँचा देते हैं और अपराधी समय रहते ही तितर-बितर हो जाते हैं"।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ A new revenue system

❖ एक नयी राजस्व प्रणाली

Since the revenue demand was fixed under the Permanent Settlement, the colonial state could not claim any share of this enhanced income.

चूँकि राजस्व की माँग इस्तमरारी बंदोबस्त के तहत तय की गई थी, इसलिए औपनिवेशिक सरकार इस बढ़ी हुई आय में अपने हिस्से का कोई दावा नहीं कर सकती थी।

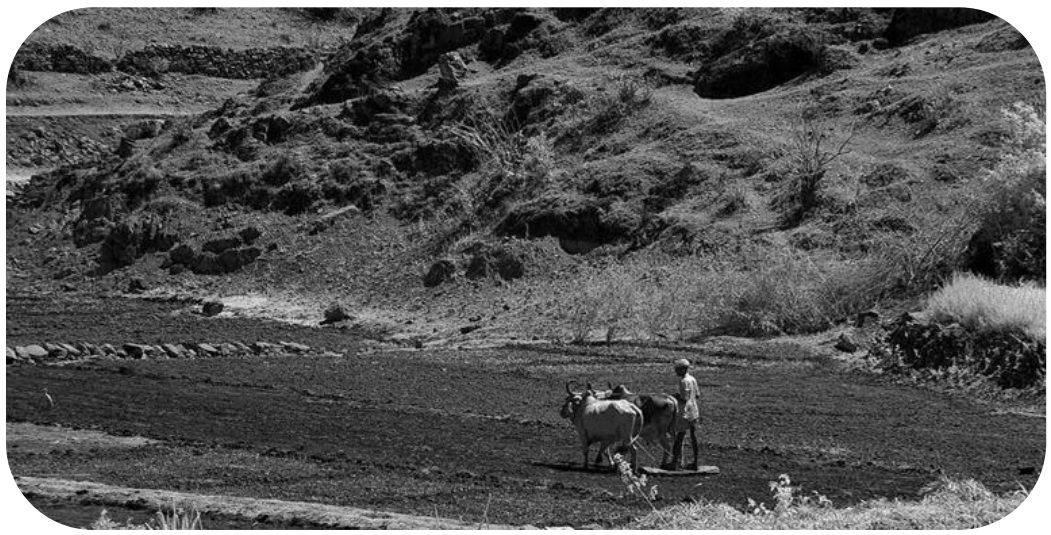

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

In the nineteenth century, temporary revenue settlements were made.

उन्नीसवीं शताब्दी में औपनिवेशिक शासन में शामिल किए गए प्रदेशों में राजस्व बंदोबस्त किए गए।

When officials devise policies, their thinking is deeply shaped by economic theories they are familiar with.

जब अधिकारी नीतियां निर्धारित करते हैं तो उनकी विचारधारा उन आर्थिक सिद्धांतों से अत्यधिक प्रभावित रहती है जिनसे वे अधिकारी पहले से परिचित होते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

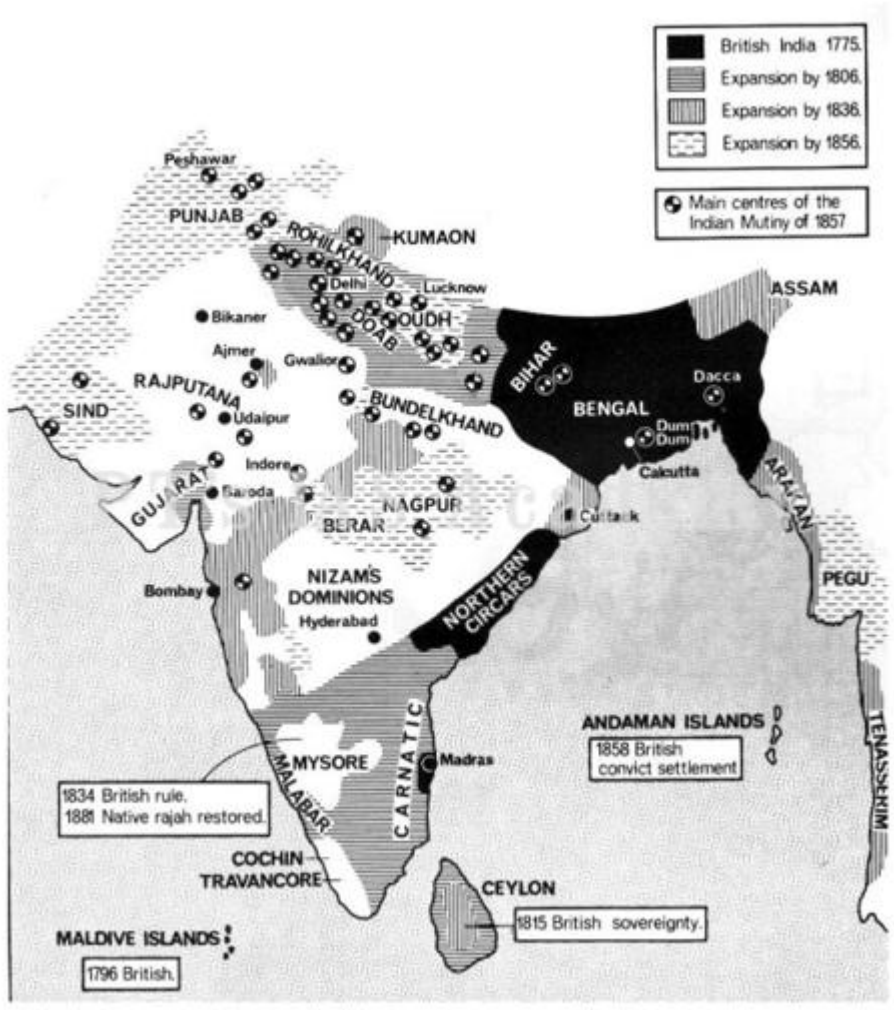

The revenue system that was introduced in the Bombay Deccan came to be known as the ryotwari settlement.

जो राजस्व प्रणाली बम्बई दक्कन में लागू की गई उसे रैयतवाड़ी कहा जाता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The revenue was directly settled with the ryot. The average income from different types of soil was estimated, the revenue-paying capacity of the ryot was assessed and a proportion of it fixed as the share of the state.

इस प्रणाली के अंतर्गत राजस्व की राशि सीधे रैयत के साथ तय की जाती थी। भिन्न-भिन्न प्रकार की भूमि से होने वाली औसत आय का अनुमान लगा लिया जाता था। रैयत की राजस्व अदा करने की क्षमता का आकलन कर लिया जाता था और सरकार के हिस्से के रूप में उसका एक अनुपात निर्धारित कर दिया जाता था।

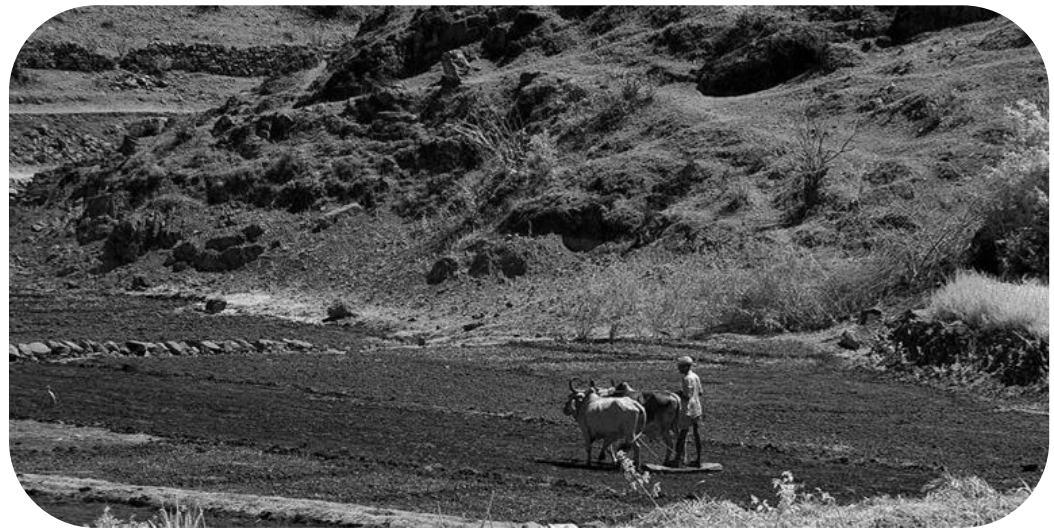

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The lands were resurveyed every 30 years and the revenue rates increased. Therefore the revenue demand was no longer permanent.

हर 30 साल के बाद ज़मीनों का फिर से सर्वेक्षण किया जाता था और राजस्व की दर तदनुसार बढ़ा दी जाती थी। इसलिए राजस्व की माँग अब चिरस्थायो नहीं रही थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Rentier is a term used to designate people who live on rental income from property.

किरायाजीवी शब्द एसे लोगों का द्योतक है जो अपनी संपत्ति के किराए की आय पर जीवनयापन करते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ Revenue demand and peasant debt

❖ राजस्व की माँग और किसान का कर्ज़

The revenue that was demanded was so high that in many places peasants deserted their villages and migrated to new regions.

माँगा गया राजस्व इतना अधिक था कि बहुत से स्थानों पर किसान अपने गाँव छोड़कर नए क्षेत्रों में चले गए।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

When rains failed and harvests were poor, peasants found it impossible to pay the revenue. However, the collectors in charge of revenue collection were keen on demonstrating their efficiency and pleasing their superiors.

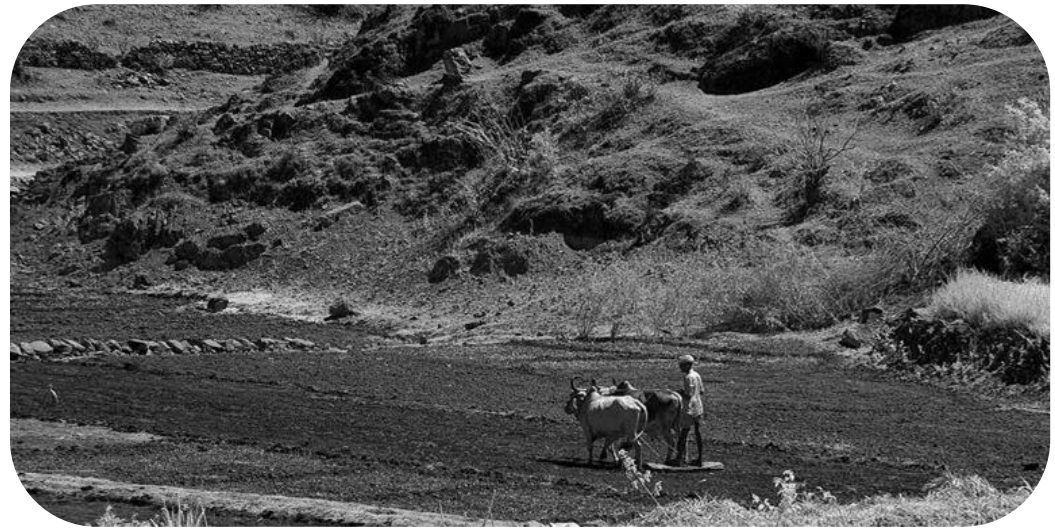

जब वर्षा नहीं होती थी और फसल खराब होती थी तो किसानों के लिए राजस्व अदा करना असंभव हो जाता था। फिर भी, राजस्व इकट्ठा करने वाले प्रभारी कलेक्टर अपनी कार्यकुशलता को प्रदर्शित करने और अपने बड़े अधिकारियों को प्रसन्न करने के लिए अत्यंत उत्कट रहते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

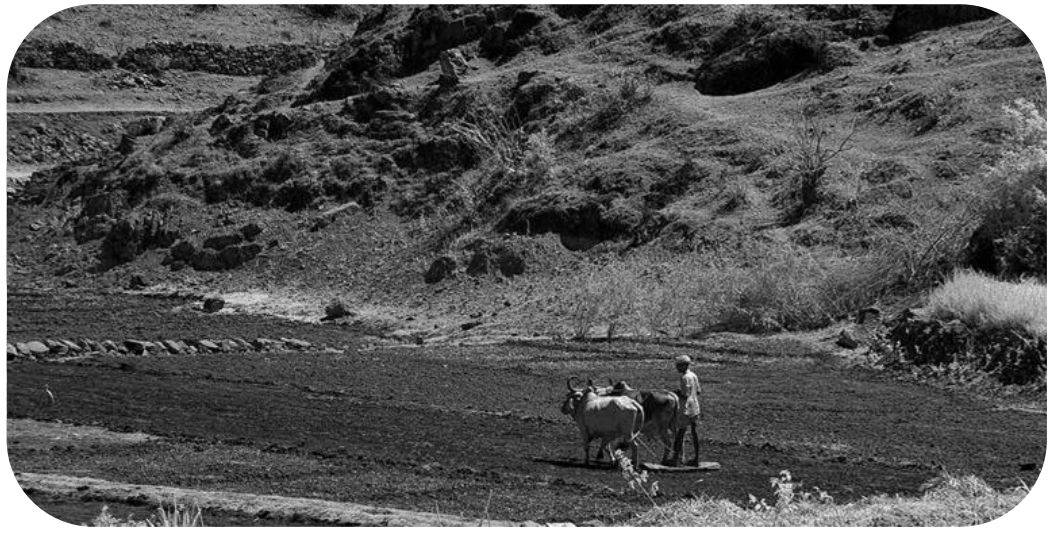

When someone failed to pay, his crops were seized and a fine was imposed on the whole village.

जब कोई किसान अपना राजस्व नहीं दे पाता था तो उसकी फ़सलें ज़ब्त कर ली जाती थीं और समूचे गाँव पर जुर्माना ठोक दिया जाता था।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

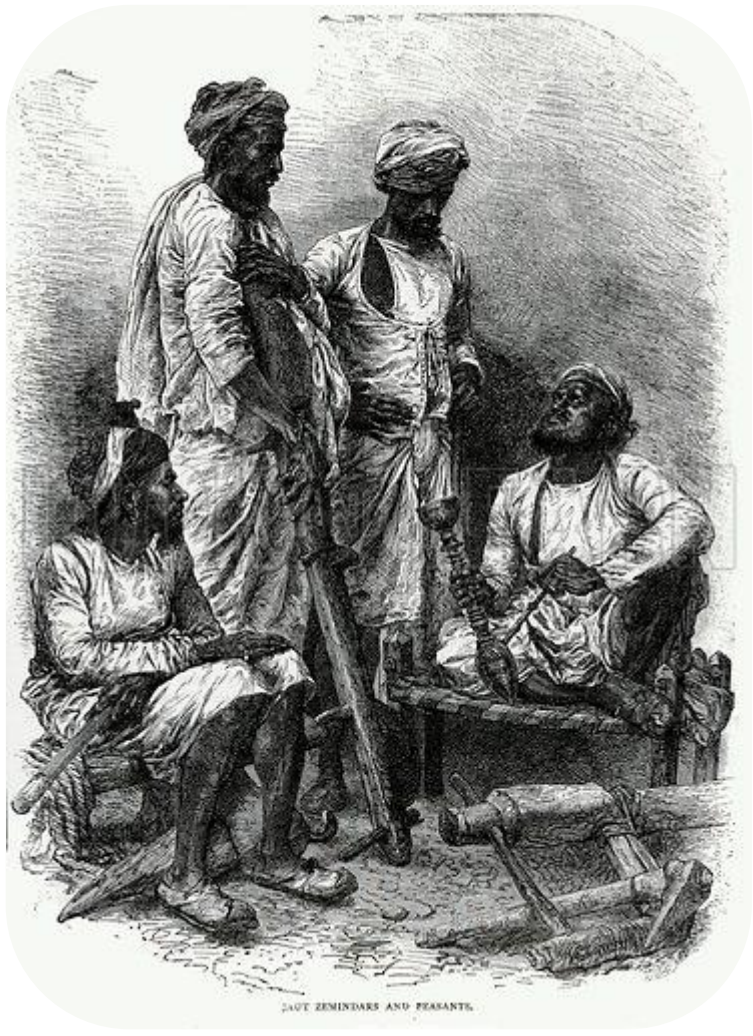

Revenue could rarely be paid without a loan from a moneylender.

ऋणदाता से पैसा उधार लेकर ही राजस्व चुकाया जा सकता था।

Once a loan was taken, the ryot found it difficult to pay it back. As debt mounted, and loans remained unpaid, peasants' dependence on moneylenders increased.

यदि रैयत ने एक बार ऋण ले लिया तो उसे वापस करना उसके लिए कठिन हो गया। कर्ज़ बढ़ता गया, उधार की राशियां बकाया रहती गइं और ऋणदाताओं पर किसानों की निर्भरता बढ़ती गई।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ Then came the cotton boom

❖ फिर कपास में तेज़ी आई

In 1857 the Cotton Supply Association was founded in Britain, and in 1859 the Manchester Cotton Company was formed.

1857 में, ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना हुई और **1859** में मैनचेस्टर कॉटन कंपनी बनाई गई।

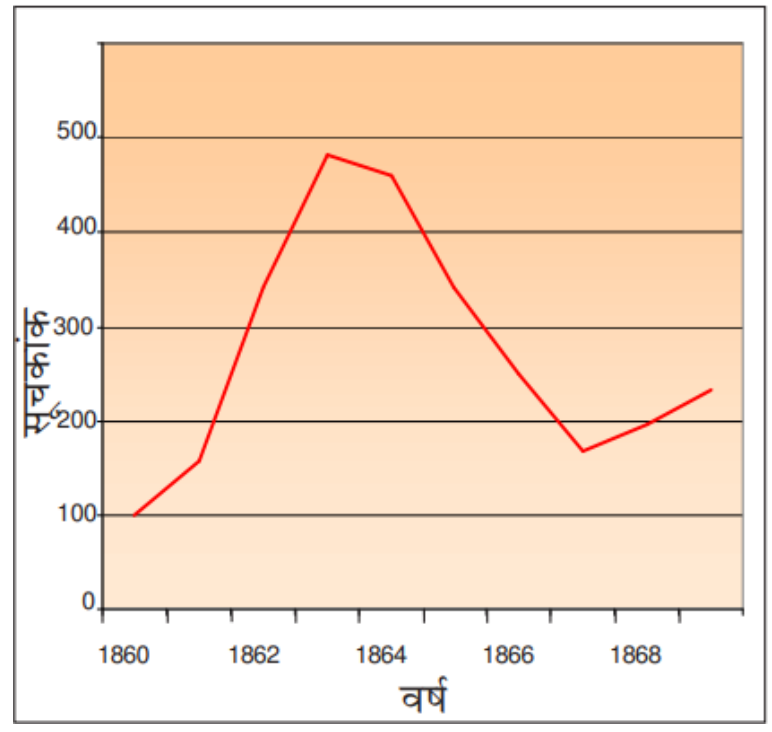

कपास में तेज़ी

इस ग्राफ़ में अंकित रेखा कपास की क़ीमतों में आई तेज़ी और गिरावट को दिखाती है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

कपास ढोने वाली गाड़ियाँ एक बरगद के पेड़ के नीचे खड़ी हैं।
इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़ 13 दिसंबर 1862

Their objective was "to encourage cotton production in every part of the world suited for its growth". India was seen as a country that could supply cotton to Lancashire if the American supply dried up.

उनका उद्देश्य "दुनिया के हर भाग में कपास के उत्पादन को प्रोत्साहित करना था जिससे कि उनकी कंपनीका विकास हो सके।" भारत को एक एसा देश समझा गया जो अमेरिका से कपास की आपूर्ति बंद हो जाने की सूरत में, लंकाशायर को कपास भेज सकेगा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

When the American Civil War broke out in 1861, a wave of panic spread through cotton circles in Britain. Raw cotton imports from America fell to less than three per cent of the normal: from over 2,000,000 bales (of 400 lbs each) in 1861 to 55,000 bales in 1862.

जब सन् 1861 में अमेरिकी गृहयुद्ध छिड गया तो ब्रिटेन के कपास क्षेत्र (मंडी तथा कारखानों) में तहलका मच गया। अमेरिका से आने वाली कच्ची कपास के आयात में भारी गिरावट आ गई। वह सामान्य मात्रा का 3 प्रतिशत से भी कम हो गया: 1861 में जहां 20 लाख गाँठें (हर गाँठ 400 पाउंड की) आई थीं वहीं 1862 में केवल 55 हज़ार गाँठों का आयात हुआ।

रेलों का युग शुरू होने से पहले कपास का परिवहन, इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़, 20 अप्रैल 1861। जब अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान अमेरिका से कपास की आपूर्ति बहुत कम हो गई तब ब्रिटेन को यह आशा हुई कि भारत ब्रिटिश उद्योगों की कपास संबंधी सारी ज़रूरतों को पूरा कर देगा। इसके लिए आपूर्ति का आकलन किया जाने लगा, कपास की गुणवत्ता की जाँच होने लगी और उत्पादन तथा विपणन के तरीकों का अध्ययन किया जाने लगा। उनकी यह दिलचस्पी 'इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़' के पृष्ठों में परिलक्षित होती है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

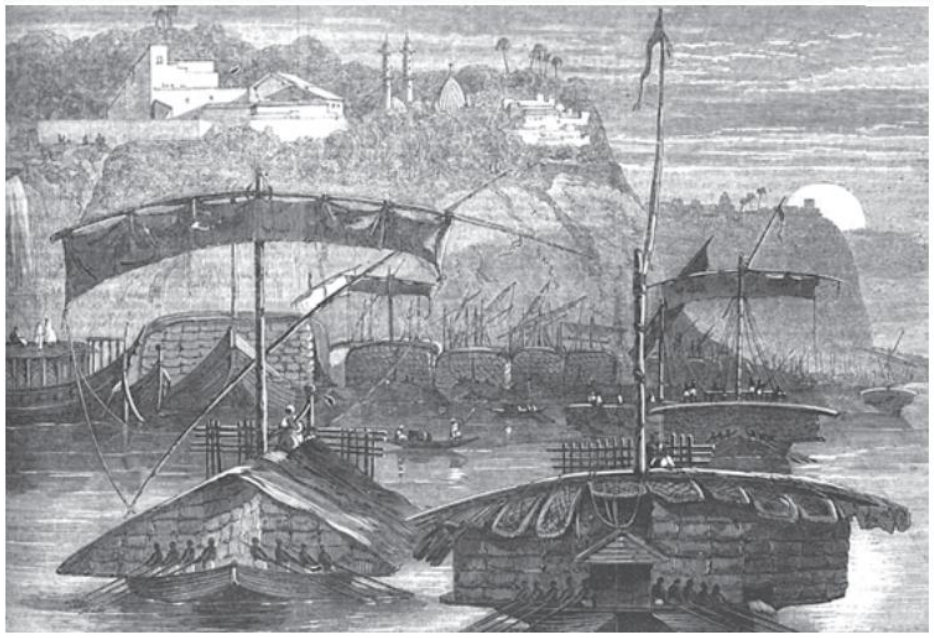

नौकाओं का एक बेड़ा मिर्ज़ापुर से गंगानदी के रास्ते कपास की गांठें ले जा रहा है। इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़, 13 दिसंबर 1862

रेलों का युग प्रारंभ होने से पहले, मिर्ज़ापुर का कस्बा दक्कन से आने वाली कपास के लिए संग्रह केंद्र था।

Frantic messages were sent to India and elsewhere to increase cotton exports to Britain. In Bombay, cotton merchants visited the cotton districts to assess supplies and encourage cultivation.

भारत तथा अन्य देशों को बड़ी व्यग्रता के साथ यह संदेश भेजा गया कि ब्रिटेन को कपास का अधिक मात्रा में निर्यात करें। बम्बई में, कपास के सौदागरों ने कपास की आपूर्ति का आकलन करने और कपास की खेती को अधिकाधिक प्रोत्साहन देने के लिए कपास पैदा करने वाले ज़िलों का दौरा किया।

So they gave advances to urban sahukars who in turn extended credit to those rural moneylenders who promised to secure the produce. When there is a boom in the market credit flows easily, for those who give out loans feel secure about recovering their money.

इसके लिए उन्होंने शहरी साहूकारों को अधिक से अधिक अग्रिम, राशियां दी ताकि वे भी आगे उन ग्रामीण ऋणदाताओं को जिन्होंने उपज को उपलब्ध कराने का वचन दिया था, अधिकाधिक मात्रा में राशि उधार दे सकें। जब बाज़ार में तेज़ी आती है तो ऋण आसानी से दिया जाता है क्योंकि ऋणदाता अपनी उधार दी गई राशियों की वसूली के बारे में अधिक आश्वस्त महसूस करते हैं।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

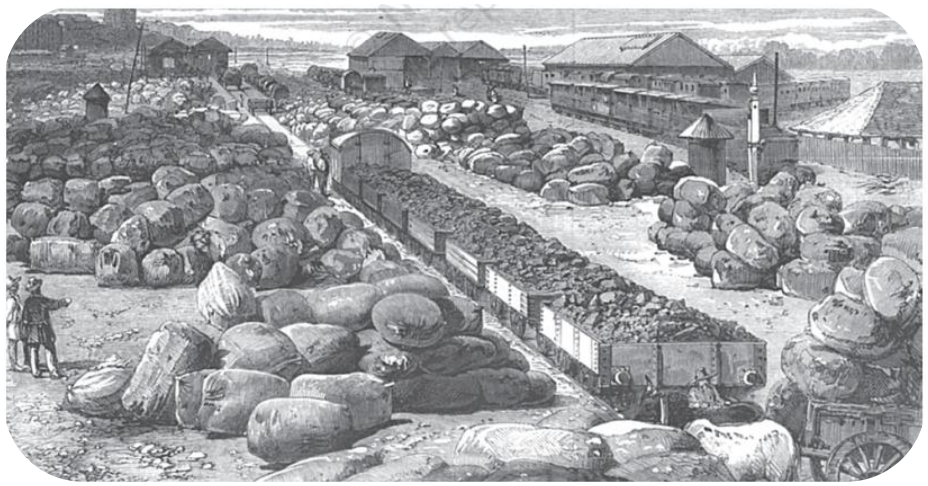

ग्रेट इंडियन पेनिन्सुलर रेलवे के बम्बई टर्मिनस पर कपास की गांठें पड़ी हुई हैं; इन्हें आगे समुद्री जहाज़ से इंग्लैंड भेजा जाएगा। इलस्ट्रेटेड लंडन न्यूज़, 23 अगस्त 1862। जब रेलें चलने लगीं तो कपास की गांठें गाड़ियों और नौकाओं द्वारा ही नहीं, रेलों से भी भेजी जाने लगीं। नदी मार्ग से यातायात धीरे-धीरे कम होता गया परंतु परिवहन के पुराने साधनों का प्रयोग पूरी तरह बंद नहीं हुआ। चित्र में पीछे दाहिनी ओर लदी हुई बैलगाड़ियाँ रेलवे स्टेशन से पत्तन तक कपास की गांठें ले जाने के लिए तैयार खड़ी हैं।

While the American crisis continued, cotton production in the Bombay Deccan expanded.

जब अमेरिका में संकट की स्थिति बनी रही तो बम्बई दक्कन में कपास का उत्पादन बढ़ता गया।

But these boom years did not bring prosperity to all cotton producers. Some rich peasants did gain, but for the large majority, cotton expansion meant heavier debt.

लेकिन इन तेज़ी के वर्षों में सभी कपास उत्पादकों को समृद्धि प्राप्त नहीं हो सकी। कुछ धनी किसानों को तो लाभ अवश्य हुआ। लेकिन अधिकांश किसान कर्ज़ के बोझ से और अधिक दब गए।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ A ryot petitions

This is an example of a petition from a ryot of the village of Mirajgaon, Taluka Karjat, to the Collector, Ahmednagar, Deccan Riots Commission:

❖ रैयत अर्जी

नीचे एक याचिका का उदाहरण दिया गया है जो करजत तालुको के मीरगाँव के एक रैयत द्वारा कलेक्टर अहमदनगर, दक्कन दंगा आयोग को दी गई थी :

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The sowkars (sahukars) ... have of late begun to oppress us. As we cannot earn enough to defray our household expenses, we are actually forced to beg of them to provide us with money, clothes and grain, which we obtain from them not without great difficulty, nor without their compelling us to enter into hard conditions in the bond.

साहूकार लोग काफी दिनों से हम पर अत्याचार कर रहे हैं? चूँकि हम अपना घर खर्च चलाने के लिए काफी मात्रा में पैसा नहीं कमा सकते, इसलिए हम उनसे पैसा, कपड़ा और अनाज़ माँगने के लिए मजबूर हो गए हैं। उनसे हमें य चीजें मिलती जाती हैं पर बड़ी कठिनाई से और उसके लिए हमें उनके साथ कड़ी शतों पर बंधपत्र लिखने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Moreover the necessary clothes and grain are not sold to us at cash rates. The prices asked from us are generally twenty-five or fifty per cent more than demanded from customers making ready money payments ...

इसके अलावा कपड़ा और अनाज भी नकद दरों पर नहीं बेचा जाता। हमसे जो कीमतें माँगी जाती हैं वह नकदी कीमत चुकाने वाले ग्राहकों की अपेक्षा आमतौर पर **25** से **50** प्रतिशत होती है

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The produce of our fields is also taken by the sowkars, who at the time of removing it assure us that it will be credited to our account, but they do not actually make any mention of it in the accounts. They also refuse to pass us any receipts for the produce so removed by them.

हमारे खेतों की उपज भी साहूकार ले जाते हैं; उपज ले जाते समय तो वे हमें यह आश्वासन देते हैं कि इसकी कीमत हमारे खाते में जमा कर दी जाएगी लेकिन वे हमारे खातों में एसा कोई उल्लेख नही करते। वे जब हमारी उपज ले जाते हैं तो बदले में कोई रसीद भी नहीं देते।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ **Credit dries up**

❖ **ऋण का स्रोत सूख गया**

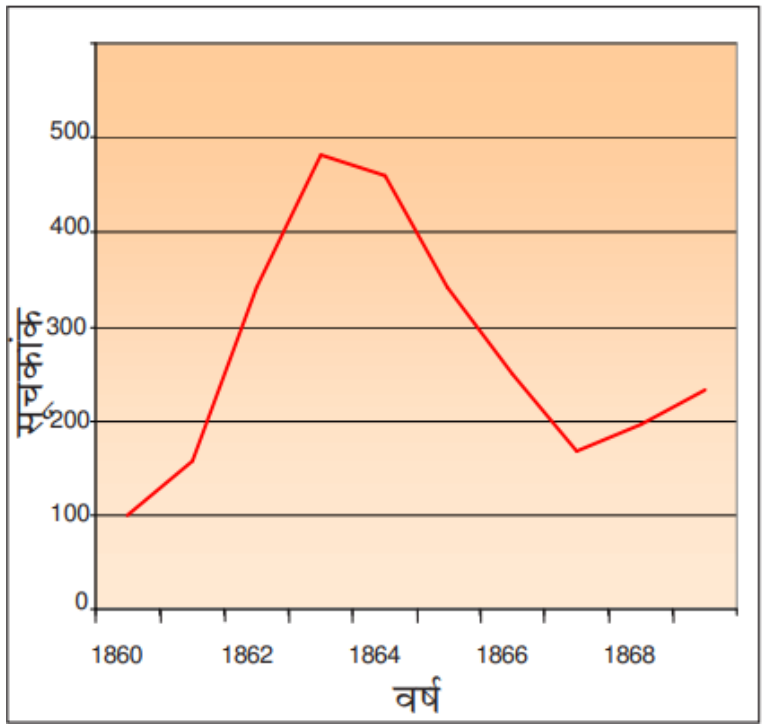

कपास में तेज़ी

इस ग्राफ़ में अंकित रेखा कपास की क़ीमतों में आई तेज़ी और गिरावट को दिखाती है।

Export merchants and sahukars in Maharashtra were no longer keen on extending long-term credit. They could see the demand for Indian cotton fall and cotton prices slide downwards.

महाराष्ट्र में निर्यात व्यापारी और साहूकार अब दीर्घावधिक ऋण देने के लिए उत्सुक नहीं रहे। उन्होंने यह देख लिया था कि भारतीय कपास की माँग घटती जा रही है और कपास की कीमतों में भी गिरावट आ रही है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

So they decided to close down their operations, restrict their advances to peasants, and demand repayment of outstanding debts.

इसलिए उन्होंने अपना कार्य-व्यवहार बंद करने, किसानों को अग्रिम राशियां प्रतिबंधित करने और बकाया ऋणों को वापिस माँगने का निर्णय लिया।

While credit dried up, the revenue demand increased.

एक ओर तो ऋण का स्रोत सूख गया वहीं दूसरी ओर राजस्व की माँग बढ़ा दी गई।

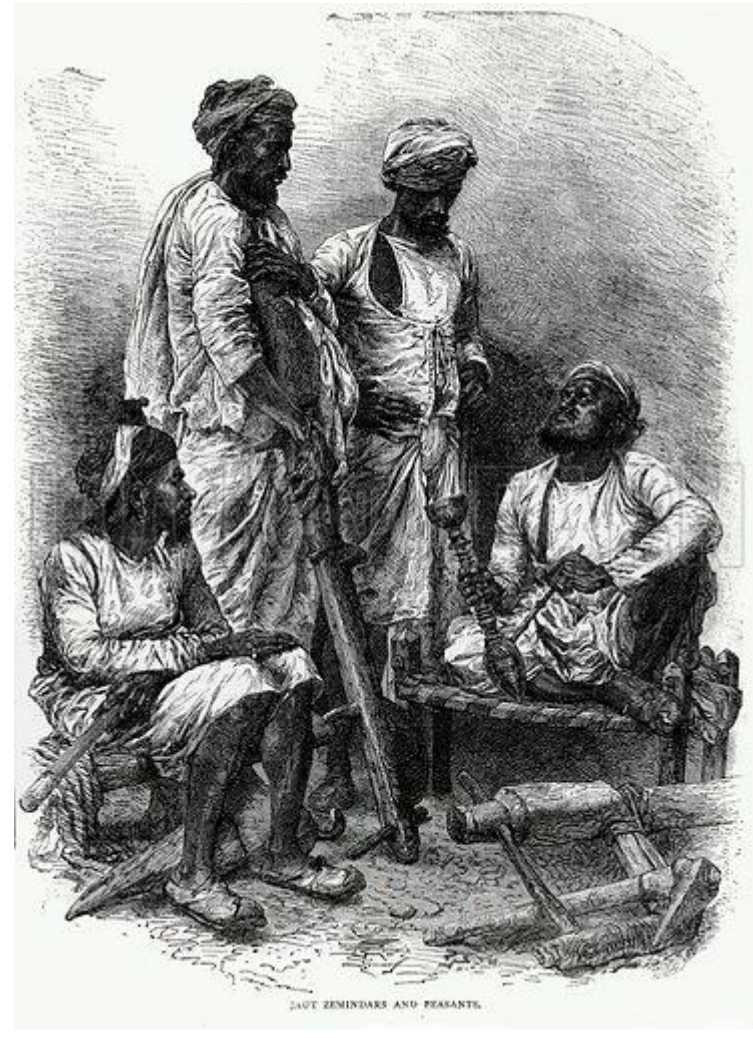

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖The experience of injustice (अन्याय का अनुभव)

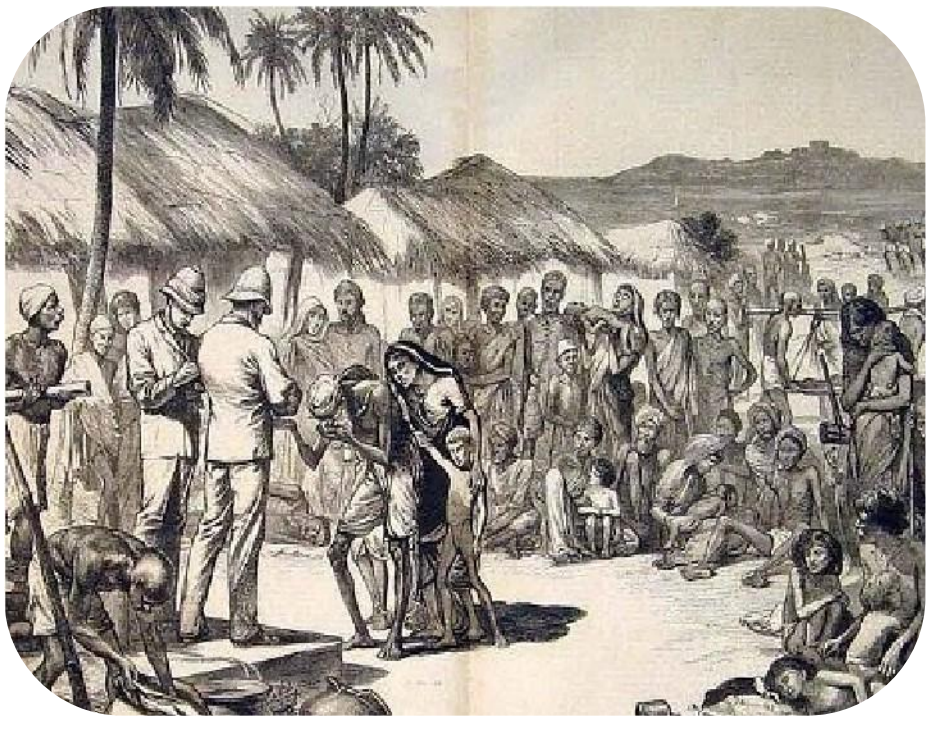

The moneylenders were violating the customary norms of the countryside.

ऋणदाता लोग देहात के प्रथागत मानकों यानी रूढ़ि रिवाजों का भी उल्लंघन कर रहे थे।

Moneylending was certainly widespread before colonial rule and moneylenders were often powerful figures.

पैसा उधार देने का कारोबार निश्चित रूप से औपनिवेशिक शासन से पहले भी काफ़ी फैला हुआ था और ऋणदाता अकसर ताकतवर हस्तियां होते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Under colonial rule this norm broke down. In one of the many cases investigated by the Deccan Riots Commission, the moneylender had charged over Rs 2,000 as interest on a loan of Rs 100. In petition after petition, ryots complained of the injustice of such exactions and the violation of custom.

औपनिवेशिक शासन में इस नियम की धज्जियां उड़ा दी गईं। दक्कन दंगा आयोग द्वारा छानबीन किए गए मामलों में से एक मामले में ऋणदाता ने **100** रु. के मूलधन पर **2,000** रु. से भी अधिक ब्याज लगा रखा था। अनेकानेक याचिकाओं में रैयत लोगों ने इस प्रकार की जबरन वसूलियों और प्रथाओं के उल्लंघन से संबंधित अन्याय के विरुद्ध शिकायत की थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The ryots came to see the moneylender as devious and deceitful.

रैयत ऋणदाता को कुटिल और धोखेबाज समझने लगे थे।

Deeds and bonds appeared as symbols of the new oppressive system.

तरह-तरह के दस्तावेज़ और बंधपत्र इस नयो अत्याचारपूर्ण प्रणाली के प्रतीक बन गए।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The terms of transactions, they believed, had to be clearly, unambiguously and categorically stated in contracts, deeds and bonds, and regulated by law. Unless the deed or contract was legally enforceable, it had no value.

उनके विचार से लेन-देन की शर्तें, संविदाओं, दस्तावेज़ों और बंधपत्रों में साफ़-साफ़, सुस्पष्ट और सुनिश्चित शब्दों में कही जानी चाहिए और वे विधिसम्मत होनी चाहिए। जब तक कि कोई दस्तावेज़ या संविदा कानून की दृष्टि से प्रवर्तनीय नहीं होगा तब तक उसका कोई मूल्य नहीं होगा।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Over time, peasants came to associate the misery of their lives with the new regime of bonds and deeds. They were made to sign and put thumb impressions on documents, but they did not know what they were actually signing.

समय के साथ, किसान यह समझने लगे कि उनके जीवन में जो भी दु:ख तकलीफ है वह सब बंधपत्रों और दस्तावेज़ों की इस नयो व्यवस्था के कारण ही है। उनसे दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करवा लिए जाते और अँगूठे के निशान लगवा लिए जाते थे पर उन्हें यह पता नहीं चलता कि वास्तव में वे किस पर हस्ताक्षर कर रहे हैं या अँगूठे के निशान लगा रहे हैं।

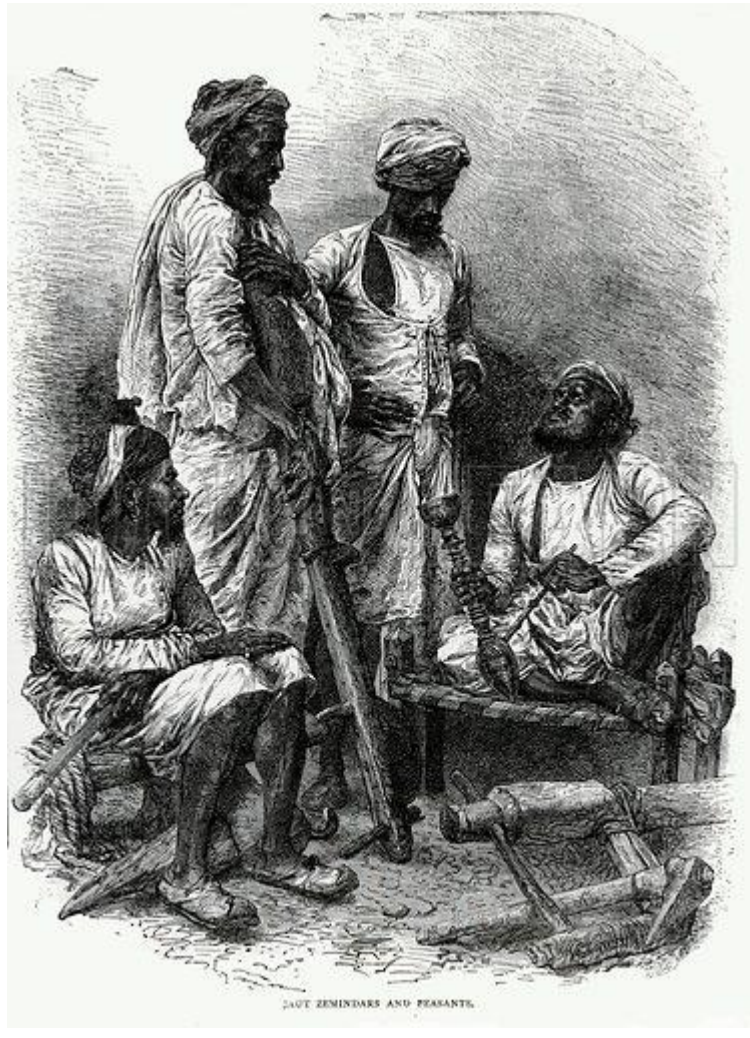

They had no idea of the clauses that moneylenders inserted in the bonds. They feared the written word. But they had no choice because to survive they needed loans, and moneylenders were unwilling to give loans without legal bonds.

उन्हें उन खंडों के बारे में कुछ भी पता नहीं होता जो ऋणदाता बंधपत्रों में लिख देते थे। वे तो हर लिखे हुए शब्द से डरने लगे थे। मगर वे लाचार थे क्योंकि जीवित रहने के लिए उन्हें ऋण चाहिए थे और ऋणदाता कानूनी दस्तावेज़ों के बिना ऋण देने को तैयार नहीं थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ Deeds of hire

When debts mounted the peasant was unable to pay back the loan to the moneylender. He had no option but to give over all his possessions – land, carts, and animals – to the moneylender. But without animals he could not continue to cultivate.

❖ भाड़ा-पत्र

जब किसान पर ऋण का भार बहुत बढ़ गया तो वह ऋणदाता का ऋण चुकाने में असमर्थ हो गया। अब ऋणदाता के पास अपना सर्वस्व-जमीन, गाडियाँ, पशुधन देने के अलावा कोई चारा नहीं था। लेकिन पशुओं के बिना वह आगे खेती कैसे कर सकता था।

So he took land on rent and animals on hire. He now had to pay for the animals which had originally belonged to him. He had to sign a deed of hire stating very clearly that these animals and carts did not belong to him. In cases of conflict, these deeds could be enforced through the court.

इसलिए उसने जमीन और पशु भाड़े पर ले लिए। अब उसे उन पशुओं के लिए, जो मूल रूप से उसके अपने ही थे, भाड़ा चुकाना पड़ता था। उसे एक भाड़ा-पत्र (किरायानामा) लिखना पड़ता था जिसमें यह साफतौर पर कहा जाता था कि य पशु और गाडियाँ उसकी अपनी नहीं हैं। विवाद छिड़ने पर, य दस्तावेज़ न्यायालयों में मान्य होते थे।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The following is the text of a deed that a peasant signed in November 1873, from the records of the Deccan Riots Commission:

I have sold to you, on account of the debt due to you, my two carriages having iron axles, with their appurtenances and four bullocks ...

नीचे एक एसे ही दस्तावेज़ का नमूना दिया गया है जो नवंबर 1873 में एक किसान ने हस्ताक्षरित किया था (यह दक्कन दंगा आयोग के अभिलेखों से उद्धृत है।) :

मैने आपको देय ऋण के खाते में, आपको अपनी लोहे के धुरों वाली दो गाडियाँ, साज-समान और चार बैलों के साथ बेची हैं...

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

I have taken from you on hire under (this) deed the very same two carriages and four bullocks. I shall pay every month the hire thereof at Rupees four a month, and obtain a receipt in your own handwriting. In the absence of a receipt I shall not contend that the hire had been paid.

मैंने इस दस्तावेज़ के तहत उन्हीं दो गाडियों और चार बैलों को आपसे भाड़े पर लिया है। मैं हर माह आपको चार रुपए प्रतिमाह की दर से उनका किराया (भाड़ा) दूँगा और आपसे आपकी अपनी लिखावट में रसीद प्राप्त करुँगा। रसीद न मिलने पर मैं यह दलील नहीं दूँगा कि किराया नहीं चुकाया गया है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ How debts mounted

In a petition to the Deccan Riots Commission a ryot explained how the system of loans worked:

A sowkar lends his debtor Rs 100 on bond at Rs 3-2 annas per cent per mensem. The latter agrees to pay the amount within eight days from the passing of the bond.

❖ कर्ज़ कैसे बढ़ते गए

दक्कन दंगा आयोग को दी गई अपनी याचिका में एक रैयत ने यह स्पष्ट किया कि ऋणों की प्रणाली कैसे काम करती थी :

एक साहूकार अपने कर्ज़दार को एक बंधपत्र के आधार पर **100** रु. की रकम **3 - 2** आने प्रतिशत की मासिक दर पर उधार देता है। कर्ज़ लेने वाला इस रकम को बांड पास होने की तारीख से आठ दिन के भीतर वापस अदा करने का करार करता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

Three years after the stipulated time for repaying the amount, the sowkar takes from his debtor another bond for the principal and interest together at the same rate of interest, and allows him 125 days' time to liquidate the debt. After the lapse of 3 years and 15 days a third bond is passed by the debtor ... (this process is repeated) at the end of 12 years ... his interest on Rs 1000 amounts to Rs 2028 -10 annas -3 paise.

रकम वापस अदा करने के लिए निर्धारित समय के तीन साल बाद साहूकार अपने कर्ज़दार से मूलधन तथा ब्याज दोनों को मिला कर बनी राशि (मिश्रधन) के लिए एक अन्य बांड उसी ब्याज दर से लिखवा लेता है और उसे संपूर्ण कर्ज़ा चुकाने के लिए **125** दिन की मोहलत दे देता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

After the lapse of 3 years and 15 days a third bond is passed by the debtor ... (this process is repeated) at the end of 12 years ... his interest on Rs 1000 amounts to Rs 2028 -10 annas -3 paise.

तीन साल ओर **15** दिन बीत जाने पर कर्ज़दार द्वारा एक तीसरा बांड पास किया जाता... (यह प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती है)... **12** वर्ष के अंत में... **1000** रु. की राशि पर उसका कुल ब्याज **2,028** रु. **10** आना **3** पैसे हो जाता है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

❖ The Deccan Riots Commission

❖ दक्कन दंगा आयोग

When the revolt spread in the Deccan, the Government of Bombay was initially unwilling to see it as anything serious.

जब विद्रोह दक्कन में फैला तो प्रारंभ में बम्बई की सरकार उसे गंभीरतापूर्वक लेने को तैयार नहीं थी।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The Deccan Riots Report, provides historians with a range of sources for the study of the riot.

यह रिपोर्ट जिसे दक्कन दंगा रिपोर्ट कहा जाता है, इतिहासकारों को उन दंगों का अध्ययन करने के लिए आधार सामग्री उपलब्ध कराती है।

THEME TEN

COLONIALISM AND THE COUNTRYSIDE
EXPLORING OFFICIAL ARCHIEVES

उपनिवेशवाद और देहात सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

The commission held enquiries in the districts where the riots spread, recorded statements of ryots, sahukars and eyewitnesses, compiled statistical data on revenue rates, prices and interest rates in different regions, and collated the reports sent by district collectors

आयोग ने दंगा पीड़ित जिलों में जाँच पड़ताल कराई, रैयत वगों, साहूकारों और चश्मदीद गवाहों के बयान लिए, भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में राजस्व की दरों, कीमतों और ब्याज के बारे में आंकडे इकट्ठे किए और जिला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई रिपोटों का संकलन किया।

THANKS
FOR
WATCHING